



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 39] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 29, 1979 (आश्विन 7, 1901)
No. 39] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 29, 1979 (ASVINA 7, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, निबंधक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० ए० 35017/1/79-प्रशा० II—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 35017/1/79-प्रशा० II दिनांक 21 अगस्त, 1976 के अनुक्रम में महालेखाकार, उड़ीसा के कार्यालय में लेखा अधिकारी श्री वी० रामचन्द्रन को वर्तमान शर्तों पर 13-7-1979 से एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, इनमें जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

दिनांक 31 अगस्त 1979

सं० ए० 12019/2/78-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुसंधान सहायकों (हिन्दी) को उसके नाम के सामने निदिष्ट अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी 1-256GI/79

(हिन्दी) के पदों पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	अवधि
1.	श्रीमती सुधा भार्गव	3-9-1979 से 30-11-1979
2.	श्री चन्द किरण	3-9-1979 से 30-11-1979
3.	श्री जे० एन० एस० त्यागी	29-8-1979 से 28-11-1979

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव,
कृते सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० 98 आरबी टी० 18—आयोग की उपरोक्त अधिसूचना संख्या दिनांक 22-8-1979 के प्रतिस्थापन में केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री एच० एस० राठौर स्थायी

सहायक को 16 अगस्त, 1979 से 13 नवम्बर, 1979 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो आयोग में अनुभाग अधिकारी स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा,
भरवर सचिव,
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह मंत्रालय

को० एवं प्र० मु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० ए० 19036/2/79-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा हरबंस सिंह, निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० यू० (ई०-1) को दिनांक 6-8-1979 के पूर्वाज्ञ से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उपअधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० प्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 सितम्बर 1979

सं० ओ० दो० 1081/78-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० ओ० ग्रेड-) डा० के० विजय कुमार, आर० टी० सी०-2 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अवादी को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 27-3-1979 के अपराह्न में कार्यभार मुक्त कर दिया है।

दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० ओ० दो० 562/69-स्थापना—श्री सिडनी इजाक ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप सहायक कमाण्डेन्ट, ग्रुप सेंटर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, पल्लीपुरम, के पद का कार्यभार दिनांक 31-7-1979 (अपराह्न) से त्याग दिया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक प्रशासन

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 सितम्बर 1979

सं० 11/30/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति, गोवा प्रशासन के अधिकारी श्री एच० के० रवीन्द्र को, तारीख 10 अगस्त,

1979 के पूर्वाज्ञ से अगले आदेशों तक जनगणना कार्य निदेशालय, गोवा, दमन और दीव, पणजी में स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री रवीन्द्र का मुख्यालय पणजी में होगा।

सं० 10/20/79-प्रशा० I—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 12/5/74-म० पं० (प्रशा०-I) तारीख 28 मार्च, 1979 के अनुक्रम में, राष्ट्रपति, कलकत्ता में भारत के महापंजीकार के कार्यालय (भाषा प्रभाग) में श्रीमती कृष्णा चौधरी की भाषा विद् के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 31 दिसम्बर, 1979 तक या जब तक पद नियमित आधार पर न भरा जाए, जो भी पहले हो, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 12/5/74-म० पं० (प्रशा०-I) तारीख 28 मार्च, 1979 के पैरा 2 में बताई गई शर्तों पर सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्रीमती चौधरी का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० 11/88/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के संघ राज्य क्षेत्र संवर्ग के अधिकारी श्री यू० एस० श्रीवास्तव को तारीख 21 अगस्त, 1979 के पूर्वाज्ञ से अगले आदेशों तक संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री वास्तव का तारीख 30 सितम्बर, 1979 तक अस्थायी मुख्यालय नई दिल्ली में होगा तथा तारीख 1 अक्टूबर, 1979 से उनका मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 4 सितम्बर 1979

सं० 787/एम०—श्री व्ही० व्ही० बापर, सहायक टिकीट नियंत्रक, केंद्रीय मुद्रांक भंडार, नासिक रोड 31-8-1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए हैं।

डी० सी० मुखर्जी,
महा प्रबंधक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 25 अगस्त 1979

सं० पी० एफ० 7 (36) 16/371—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7(36)/1715 दिनांक 26-5-1979 के

क्रम से श्री एस० टी० मिरसट को 30-9-1979 तक अथवा पद के नियमित रूप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो के लिए अग्नि शमन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

श० रा० पाठक,
महाप्रबंधक
प्रतिभूति कागज कारखाना
होशंगाबाद (म० प्र०)

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा

केन्द्रिय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० प्रशा० I/का० आ० सं० 289/-5-12/79-80/1115—निदेशक लेखापरीक्षा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारियों के स्थायी पदों के प्रति 840-1200 रु० के समय मान में पूर्वव्यापी प्रभाव से उनके सामने लिखी तिथियों से नियुक्त करते हैं:—

नाम	लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप से स्थायी नियुक्ति की तिथि
सर्व/श्री	
1. श्री० पी० गुप्ता-I	1-11-1976
2. जी० बी० लाल	1-11-1976
3. आर० पी० सक्सेना	1-11-1976
4. मनमोहन सिंह	1-12-1976
5. रामरखा मल	14-12-1976
6. एच० के० एल० चौधरी	17-1-1977
7. के० सी० जैन	1-3-1977
8. बी० पी० जैन	1-7-1977
9. एम० एल० बुधवार	1-12-1977
10. आर० पी० खुराना	1-3-1978
11. एम० एल० वर्मा	1-5-1978
12. बी० एल० रस्तगी	1-5-1978
13. डी० टी० भूटानी	1-9-1978
14. आर० एस० रस्तोगी	1-11-1978
15. वी० पी० बन्ना	1-11-1978
16. एच० एल० नागिया	1-12-1978
17. आर० पी० घोष	1-1-1979
18. एस० एस० चड्ढा	1-1-1979
19. श्री० पी० मेहदीरस्ता	1-2-1979
20. एम० एल० गोयल	1-3-1979
21. डी० डी० गुगलानी	1-4-1979
22. जीत सिंह	1-7-1979

समर राय
उप-निदेशक, ले० प० (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, हरियाणा

चंडीगढ़, दिनांक 22 अगस्त 1979

सं० प्रशासन-I/72-अनु०/डी० के० ए०/79-80/2586—उप महालेखाकार (प्र०) कार्यालय महालेखाकार, हरियाणा, चण्डीगढ़, नियम 19(11) के अधीन नियम 12 सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियम 1965 के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री दबिन्द्र कुमार, अर्ध-स्थायी लेखा परीक्षक को उपरोक्त नियम के नियम 11(XI) के द्वारा कार्यालय आदेश प्र० 1/25 दिनांक 29-7-1979 जोकि सं० प्रशासन-I/72-अनु०/डी० के० ए०/79-80/2181 दिनांक 28-7-1979 द्वारा जारी किया गया है, के अधीन दिनांक 18-9-1971 से सरकारी नौकरी से पदच्युति करने का दण्ड देते हैं। यह साधारणतया श्री दबिन्द्र कुमार की आगे किसी भी सरकारी सेवा के लिए अयोग्यता समझी जायेगी।

ए० एन० चटर्जी,
उप महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 30 अगस्त 1979

सं० प्रशा० 1/बा० से०/26/246—श्री सत्यदेव शर्मा स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा स्थानापन्न लेखा अधिकारी के भारत हैवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड में स्थायी संविलयन के फलस्वरूप उनके द्वारा प्रस्तुत शासकीय सेवा से त्यागपत्र महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेश ग्वालियर ने दिनांक 25-4-1979 पूर्वाह्न से स्वीकृत किया।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त, 1979

सं० 40/79/जी०—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक प्रबंधक (परखावधि) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:—

1. श्री राजेन्द्र कुमार बरिया	12 जुलाई, 1978
2. श्री सुरजित कुमार नफरी	12 जुलाई, 1978
3. श्री योगेश चन्द्र	29 दिसम्बर, 1978
4. श्री संजय भगवन्त मोहरिल	1 जनवरी, 1979
5. श्री सुमिताभ दास	2 जनवरी, 1979
6. श्री एस० एलांगो	3 जनवरी, 1979

7. श्री राजिव गुप्ता	5 जनवरी, 1979
8. श्री बाई० बेंकाटेश्वर राव	5 जनवरी, 1979
9. श्री लालजारलियाना रेनथली	13 जनवरी, 1979
10. श्री एस० प्रधान	15 जनवरी, 1979
11. श्री के० के० सिन्हा	26 जनवरी, 1979
12. श्री नवनीत कुमार बारशने	28 मार्च, 1979
13. श्री पृथ्वीराज मिश्र	4 अप्रैल, 1979
14. श्री बी० के० पण्डा	13 अप्रैल, 1979
15. श्री सुरधीर कुमार पांडे	25 अप्रैल, 1979
16. श्री देवाशिश बत्ता	27 मई, 1979
17. श्री जी० ज्ञानद्वया	14 मई, 1979
18. श्री खानडू सोमा	8 जून, 1979

दिनांक 4 सितम्बर 1979

सं० 43/79/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्तकर, श्री पी० एन० सान्याल, स्थानापन्न अफसर सुपर-बाइजर (मौलिक एवं स्थायी ए० एस० ओ०) दिनांक 31 जुलाई, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० 44/79/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एस० के० दालाल स्थानापन्न प्रबन्धक मौलिक एवं स्थायी उप प्रबन्धक दिनांक 30-4-1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक
आईनैन्स फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1979

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/13/12/79-प्रशामन (राज०)/6704—राष्ट्रपति, सिवाई विभाग, बिहार-पटना में संयुक्त सचिव श्री ए० घोष, भ० प्र० से० (बि०-1971) को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में 17 अगस्त, 1979 के दोपहर पूर्व से अगला आदेश होने तक उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

सी० वैक्टरमन,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग प्र०-1)

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1979

सं० ए०-1/1(1142)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा श्री डी० सी० राय चौधरी अधीक्षक को दिनांक 7-8-1979 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में श्री टी० के० चक्रवर्ती सेवा निवृत्त के स्थान पर सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री डी० सी० राय चौधरी दिनांक 7-8-1979 से 2 वर्ष के लिये परिवर्द्धनीय होंगे।

दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० प्र०-1/1(1103)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा श्री जी० नन्दीगा को दिनांक 7-8-1979 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक (धातुकर्म), बर्नपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर

उप निदेशक (प्रशासन),

नूते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 4 सितम्बर 1979

सं० ई०-1-12(16)/79(.)—श्री दिलिप कुमार दाम गुप्ता, अधीक्षक को एतद्वारा सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर 4-9-1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप से तदर्थ नियुक्त किया जा रहा है।

पी० के० सरकार,

लोहा और इस्पात नियंत्रक

कलकत्ता-20, दिनांक 4 अगस्त 1979

सं० एडमि० पी० एफ० (53)/53 (.)—निवर्तन की वय के होकर श्री एस० आर० बरूआ चौधुरी, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक, 31 जुलाई, 1979 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गए।

दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० एडमि० पी० एफ० 492 (.)—निवर्तन की वय के होकर श्री एम० एन० बनर्जी सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक 30 जून, 1979 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गए।

दिनांक 10 दिसम्बर 1979

सं० ई०-1-12(7)/77 (.)—नियर्तन की वय के होकर श्री एस० आर० बनर्जी, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक 31 अगस्त, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए।

एस० के० बाबु,
लोहा और इस्पात उप नियंत्रक
कृते लोहा और इस्पात नियंत्रक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० एफ० 11-9/77-ए०-1—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद्वारा, श्री मंजूरअली, स्थायी लेखाधिकारी और नियमित अस्थायी सहायक अभिलेखाधिकारी (ग्रेड-1) (ओ० आर०) को बिल्कुल तदर्थ आधार पर जिस तारीख से वह राष्ट्रीय अभिलेखागार भोपाल में अभिलेखाधिकारी (ओ० आर०) का कार्यभार ग्रहण करेंगे उसी दिन से आगामी आदेशों तक स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (ओ० आर०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

यह तदर्थ नियुक्ति उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए किसी भी प्रकार का दावा करने का अधिकार नहीं देगी और न ही आगे अन्य ग्रेड से पदोन्नति के लिए वरिष्ठता संबंधी योग्यता के लिए गिनी जाएगी।

भीम सेन कालड़ा,
प्रशासन अधिकारी,
कृते अभिलेख निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1979

सं० ए० 19019/1/79-के० स्वा० से० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० मान सिंह को 31 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली से होम्योपैथिक कार्य चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष,
उप निदेशक प्रशासन (के० स० स्वा० यो०)

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1979

सं० ए० 38014/8/78-प्रशासन-II(I)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री सत्य प्रकाश सेवा निवर्तन आयु के हो जाने पर 31 जुलाई, 1979 अपराह्न को सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० ए० 12026/8/78-एस० आई० (1)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एस० एल० सचदेव को 8 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा भण्डार डीपू, करनाल में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति शर्तों के आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/8/78-एस० आई० (2)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री बी० के० चटर्जी को 1 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा भण्डार डीपू, कलकत्ता में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति शर्तों के आधार पर नियुक्त किया है।

पी० के० घई,
विशेष कार्य अधिकारी (स्टोर)

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 16 सितम्बर 1979

संदर्भ सं० डी० पी० एस०/23/1/79/स्थापना/23291—निदेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री सी० बी० गोपाल कृष्णन्, सहायक कार्मिक अधिकारी को अवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के अस्थाई (वरिष्ठ) आशुलिपिक श्री मूधेदथ वेणुगोपालन् को स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-880 व० रो०-40-960 के वेतन क्रम में दिनांक 22 जून, 1979 से 27 जुलाई, 1979 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय से नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

मद्रास क्षेत्रीय क्रम यूनिट

मद्रास-6, दिनांक 9 अगस्त 1979

सं० एम० आर० पी० यू०/200(150)/79-प्रशासन—क्रय और भंडार निदेशालय के क्रय और भंडार निदेशक, रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र भंडार, कलपाक्कम के भंडारी श्री पी० बी० प्रभाकरन को 2 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से 4 मई, 1979 के अपराह्न तक उसी यूनिट में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगाचारी,
क्रय अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपाक्कम-603102, दिनांक 21 अगस्त 1979

सं० एम० ए० पी० पी०/3(1321)/79-प्रशासन—झाक और तार लेखा-परीक्षा कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी

(लेखा-परीक्षा), श्री टी० के० कृष्णामाचारी को उनकी प्रतिनियुक्ति डाक और तार लेखा परीक्षा कार्यालय से इस परियोजना में होने पर 26 जुलाई, 1979 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक के लिये इस परियोजना में स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

के० बालकृष्णन,
प्रशासन अधिकारी,
कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० प० ख० प्र०-1/1/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री गिरीश भट्टा को 18 अगस्त, 1979 की पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक परमाणु खनिज प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० 1/1/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री हिमाद्री घोष को 5 सितम्बर, 1979 की पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक परमाणु खनिज प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

सं० 05045/79/5409—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी इसके साथ श्री सुरेश चिन्तामन ठाकुर, सहायक कार्मिक अधिकारी, भारी पानी परियोजना (बड़ोदा) को 1 जनवरी, 1979 से मूल रूप से उसी पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 05045/79/5410—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी इसके साथ श्री कलमकम्प्री थोमस जोस, सहायक कार्मिक अधिकारी, भारी पानी परियोजना (कोटा) को 1 जनवरी, 1979 से मूल रूप से उसी पद पर नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी० ए० पी० पी०, दिनांक 9 अगस्त 1979

आदेश

सं० टी० ए० पी० एस०/2/474/67—जबकि चिकित्सा मंडल द्वारा 28 दिसम्बर, 1977, 17 मई, 1978,

13 नवम्बर, 1978 और 11 जुलाई, 1979 को, श्रीमती सरोजिनी शशिधरन, परिचारिका, टी० ए० पी० एस० चिकित्सालय की जांच किये जाने पर, उनकी मानसिक स्थिति अर्थात् पैरानायड शीजोफ्रेनिया के कारण, उन्हें टी० ए० पी० एस० चिकित्सालय में परिचारिका के रूप में सेवा करने के लिये पूर्ण रूप से स्थायी तौर पर अक्षम पाया है;

और जबकि चिकित्सा मंडल को प्रतीत होता है कि उनकी अक्षमता का कारण अनियमित या असंयमी आदतें नहीं हैं;

इस लिये अधोहस्ताक्षरी एतद् द्वारा आदेश देते हैं कि यदि श्रीमती सरोजिनी शशिधरन इस आदेश के दिये जाने की तिथि से एक माह की अवधि से पहले अपनी सेवायें समाप्त न कराना चाहें तो इस आदेश के दिये जाने की तिथि से एक माह की अवधि के बाद श्रीमती सरोजिनी शशिधरन की सेवायें समाप्त कर दी जायेंगी। यदि वे चाहें तो एक माह की अवधि के भीतर प्रथम दृष्टया साक्ष्य अर्थात् ऐसा करने के लिये उचित आधार है सहित चिकित्सा पुनरीक्षण मंडल द्वारा जांच कराये जाने के लिये आवेदन कर सकती हैं और यदि वे चिकित्सा पुनरीक्षण मंडल द्वारा जांच कराये जाने के लिये आवेदन करती हैं तो नियमानुसार वे शुल्क का भुगतान करने के दायित्व के अधीन होंगी। चिकित्सा मंडल की रिपोर्ट दिनांक 11-7-1979 की एक प्रति संलग्न है।

के० पी० राव,
मुख्य अधीक्षक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1979

सं० ए० 38012/1/79-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों ने अपने नाम के सामने दी गई तारीख से और स्टेशन पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया था :—

क्रम सं०	नाम व पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तारीख
1.	श्री एम० एस० अदैकलम सहायक तकनीकी अधि०	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	31-7-1979 (अपराह्न)
2.	श्री सी० टी० राजन सहायक तकनीकी अधि०	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	31-7-1979 (अपराह्न)

दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० ए० 32014/3/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को वैमानिक संचार संगठन में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से

और दिए गए स्टेशन पर तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	स्टेशन जहां तैनात किया गया है	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री वी० आर० अनन्तारमन	वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	20-7-1979 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एस० के० राव	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	28-7-1979 (पूर्वाह्न)
3.	श्री कुलवन्त सिंह	वैमानिक संचार स्टेशन, जमशेदपुर	वैमानिक संचार स्टेशन, भुवनेश्वर	30-7-1979 (पूर्वाह्न)

एस० एन० मोतवानी,
विशेष कार्य अधिकारी

मुख्य लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,

बड़ौदा, दिनांक अगस्त 1979

सं० 11/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद-11 के सहायक समाहर्ता के अधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग "ख" के अधीक्षक श्री बी० बी० कंसारा, जो हाल में सहायक समाहर्ता के० उ० शु० मण्डल-11 अहमदाबाद में सस्पेंशन में है, वृद्धावस्था पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-1979 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

जे० एम० वर्मा,
समाहर्ता,
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बड़ौदा

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 5 सितम्बर, 1979

सं० ए० 19012/726/78-प्रशा० वी—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री बलदेव राज पर्यवेक्षक को पदोन्नति पर अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 31-5-1978 की अपराह्न से पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर केन्द्रीय जल आयोग में इस पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, नियुक्त करते हैं।

जे० के० साहा,
अवर सचिव

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 अगस्त, 1979

मैसर्स शिरो प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1936 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस

सं० लिखित 3228/14368—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 3-1-1978 के आदेश से मैसर्स शिरो प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापित होना, आदेशित हुआ है।

मैसर्स सुरेन्द्रा स्टील माल्ट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1936 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस।

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 अगस्त 1979

सं० लिखित 5442/14367—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 13-12-1977 के आदेश से मैसर्स सुरेन्द्रा स्टील माल्ट लिमिटेड का परिसमापित होना, आदेशित हुआ है।

एस० पी० वसीष्ठा,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1979

आयकर

फा० सं० सी० आई० टी०-4/जुरि०/79-80/2983—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42 वां) की धारा 124 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों, तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 1-9-1979 से निम्नलिखित आयकर सॉकिल बनाया जाएगा :—

डि०-3-ई० (1), नई दिल्ली।

सं० फा० जुरि-दिल्ली-4/79-80/2984—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस बारे में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सॉकिलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार-क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में

उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे :—

अनुसूची

रेंज-1	आयकर डि०/सर्किल
(1)	(2)
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-3-ई०, नई दिल्ली	डिस्ट्रिक्ट-3-ई० (1), नई दिल्ली

यह अधिसूचना 1-9-1979 से लागू होगी।

रणवीर चन्द्र,

आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-5

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1979

आयकर

सं० जुरि०-दिल्ली-5/79-80/19470—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस बारे में प्राप्त

अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा इस विषय पर पहले के आदेशों में संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे :—

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
(1)	(2)
1. निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-5 ए०, नई दिल्ली	डि० 2, नई दिल्ली के सभी वार्ड/सर्किल

यह अधिसूचना 1-9-1979 से लागू होगी।

के० आर० राघवन,

आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

रोहतक, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एच० एस० आर०/3/78-79—अतः, मुझे,
ई० के० कोशी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन
रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/—
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 46 कनाल 2 मरले है तथा
जो ग्राम सातरोड़, हिसार देहली रोड़ में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या.

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2 -256GI/79

1. श्री मोहन लाल पुत्र श्री नानक निवासी सातरोड़
(हिसार) (अन्तरक)

2. श्री आंकार मल मित्तल मार्फत मैसर्स मित्तल पाईप
मैन्यूफैक्चरिंग कं० देहली रोड़, हिसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 46 कनाल 2 मरले जो कि देहली
रोड़, हिसार में ग्राम सातरोड़ में स्थित है तथा जैसे कि
रजिस्ट्रीकर्ता हिसार के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2922
तिथि 1-1-1979 पर दर्ज है।

ई० के० कोशी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 7-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर० III/
दि० II (34)/78-79—अतः, मुझे, कुमारी अंजनी ओजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-खके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई० 485 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,
नई देहली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-12-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ वास्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अन्तरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश गुप्ता, 2. श्री कैलाश चन्द, 3.
श्री चन्द्र प्रकाश 4. श्रीमती ऊषा देवी 5. कु० बीना रानी
6. शशी कान्ता और 7. चिन्ता मनी, पता के०-48,
सरोजनी नगर, नई देहली। (अन्तरक)

2. श्री बी० एल० कपूर (2) श्रीमती सरला देवी
कपूर पता—ई०-317, ग्रेटर कैलाश-II, नई देहली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर ई०-485 ग्रेटर कैलाश, नई देहली जिसकी
बाउण्ड्री निम्नलिखित है :—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम—रोड

उत्तर—नं० ई०-483

दक्षिण—नं० ई०-487

कु० अंजनी ओजा,
सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली -1

तारीख : 12-9-1979

मोहर :

प्रकृष धार्ई टी० एन० एत०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली

दिल्ली-1, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/
12-78/895—अतः, मुझे, कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई०-467 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आम्निथों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार अब, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. डा० प्रभा दयाल खन्ना पुत्र श्री वासु राम खन्ना, पता—म० नं० 1178 कुचा फलादखान काला महल के पास दरिया गंज, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती मधु अग्रवाल पत्नी श्री एस० अग्रवाल पता—एच-16 ग्रीन पार्क (एक्स०), नई दिल्ली।

श्री अरुन कुमार मिश्र सुपुत्र श्री रेवती प्रसाद मिश्र गन्तोला मोहल्ला, पहाड़ गंज, नई दिल्ली। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थ में के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्थ में संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उक्त पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका नम्बर ई०-467 ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में है जिसकी बाउण्ड्री निम्नलिखित है:—

पूर्व—प्लॉट नं० ई०-465

पश्चिम—प्लॉट नम्बर ई०-469

उत्तर—सर्विस लेन

दक्षिण—रोड़।

कु० अंजनी ओजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 12-9-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/दि० I(10)/78-79/839-अतः मुझे, कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीरजिमकी सं० मेजानिन स्टोर सनिमा है तथा जो कम्प्लैक्स बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर हमन उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगम अवधि में सुविधा के लिए; अथवा

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, नै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. डि एल० एफ० यूनाइटेड (लि०) 21-22 नरेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती निरूपम कौर आनन्द 2, मैसर्स सोहन सिंह एण्ड सन्स, कारत्ता सोहन सिंह आनन्द एन/3, साउथ एक्स० पार्क-I, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 1—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मेजानिन स्टोर, सनिमा कोम्प्लैक्स बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में है। रजिस्टर्ड भादू दिसम्बर, 1978।

कु० अंजनी ओजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 12-9-1979

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/
12-1978/911—अतः मुझे, कु० अंजनी ओजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव सतबड़ी, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-12-1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे प्रसरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रसरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्षाव में कमी करने या उसमें बढ़ो में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्रीमती सुनीता देवी खंडेलवाल पत्नी श्री आर०
एन० खंडेलवाल 2. श्री महेन्द्र नाथ खंडेलवाल पुत्र श्री श्री-
नाथ खंडेलवाल निवासी प्रेम निवास, अपार्टमेंट रोड, बम्बई
(अन्तरक)

2. श्रीमती कुमारी सचदेवा पत्नी श्री शामलाल सचदेवा,
निवासी ई०-273, ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 21 बिघा 17 बिसवा
और स्थित गांव सतबड़ी, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

कु० अंजनी ओजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारीख: 10-9-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार -

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 465/एकुरे-III 78-79/कल—अतः मुझे भास्कर सेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1ए है तथा जो रिची रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्रीमती सुप्रीति मुस्ताफी 98 रिची रोड़, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्रीमती भक्ती सिन्हा 1 पंचानन, घोष लेन, कल ०-9 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 0 छटांक 12 स्को० फुट जमीन जो सं० 1 ए०, रिची रोड़, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III
कलकत्ता

तारीख: 9-4-1979
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घातकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 466/एफबी० रें०—III/79-80/कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1 ए है तथा जो रिची रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1978 को

पूर्वोक्त अमति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी मुनीम मुस्ताफि 1 ए, रिची रोड़, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री मेवप्रत सरदार 57/12, बालीगंज मर्कुलर रोड़, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना हूँ।

उक्त पत्राभि के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 12 छटांक 41 स्क्वी० फुट० जमीन जो सं० 1 ए, रिची रोड़, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—III, कलकत्ता

तारीख : 11-4-79
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 मई 1979

निर्देश सं० 472/एफि० रें०—III/79-80/कस०—

अतः, मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० दाग नं० 800 खतियान 115 है तथा
जो मौजा बांश द्रोनी, थाना—यादवपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 13-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच से अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अस्तित्व नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
आगस्त्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)

1. श्री बादल सेनगुप्त 184 प्रिंग अनवर साहू रोड़,
कलकत्ता-68। (अन्तरक)

2. श्री बिप्लव कुमार चक्रवर्ती और अन्यथा 4 ए,
तिकरी घोष लेन, कलकत्ता-26। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसे व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 10 कट्ठा जमीन साथ उस पर बनाया दोतला
मकान जो दाग सं० 400, खतियान सं० 115 मौजा—
बांशद्रोनी, 24 परगना थाना—यादवपुर पर अवस्थित।

भास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—III, कलकत्ता

तारीख: 17-5-1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एन०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

द्वारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 29 मई 1979

निदेश सं० ए० सी० 26/रेंज-IV/कल०/1979-80-
यतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० पी०-223 है तथा जो सी० आई० टी०
रोड़, कलकत्ता-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-78को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान -
प्रतिफल के लिये प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्त्रियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-256 GI/79

1. श्री सुभाष चन्द्र घोष तथा सुशील कुमार घोष
(अन्तरक)2. श्री सुरेश कुमार धनुका तथा देवकी नन्दन धनुका
(अन्तरिणी)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पी०-223, सी० आई० टी० रोड़, कलकत्ता-54 में
4 कट्टा 5 छटांक 26 स्को० फीट जमीन साथ मकान का
सब कुछ जैसे के 1978 का दलिल सं० 5565 में और
पूर्ण रूप से वर्णित है।एम० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 29-5-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 मई 1979

निर्देश सं० 473/एकु० खे०-111/79-80/कल०—अतः

मुझे, भास्कर सेन

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्त बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० पि० 39 है तथा जो मि० आई० टि० स्कीम सं० LXII स्थित है (और इसके उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिवारी के कार्यालय, आलिपुर में, (रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धोरण

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती जानकी देवी 60/2/6 लेक रोड, बलवत्ता।
(अन्तरक)

2. म० ब्रिजमिड को० आपरेटिव हाउसिंग सो० लिमि०
12/1 रामकृष्ण घोष रोड, कल०-501 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 4 कट्टा 6 छटाक 25 स्को० फु० जमीन जो प्लॉट सं० पि-39, मि० आई० टी० स्कीम LXII, मौजा-ठाकुरिया, थाना-यादवपुर, 24 परगना में अवस्थित।

भास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 19-5-1979

मोहर :

प्रकरण साईं टी० एन० एम०-----

1. श्री विक्रमजीत राय चौधुरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती दलजीत कौर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० ए० मि० /रेंज-IV/कल०/1979-80--

यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० 156/2 बि० है तथा जो बि० टि० रोड़, बाना बराहमगर कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-12-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारा :-

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

156/2 बि०, बि० टि० रोड़, कलकत्ता-35, पर स्थित 95-22 स्क्वा० मी० जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे कि 1978 का दलिल सं० 5582 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 15-6-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० ए० सि० 29/रेंज-IV/कल०/1979-80—
यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 156/2-बी है तथा जो वि० टि० रोड़,
थाना बाराहन्गर, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-12-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
विहित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विक्रमजीत राय चौधुरी (अन्तरक)
2. श्री सरदार बच्चन सिंह ग्रेवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

156/2-बि, वि० टि० रोड़, कलकत्ता-35 पर स्थित
95.22 स्क्वा० मी० जमीन साथ मकान का सब कुछ
जैसे कि 1978 का दलिल सं० 5583 में और पूर्ण रूप
से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 15-6-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III,

54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता 16

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1979

निर्देश सं० 487/एकु० रेंज III/79-80/कल०---अतः मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम') कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फुट सं० 8 बि० है तथा जो 95 साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लेक कॉम्पारेटिव हार्जमिंग सोसायटी लिमि०

(अन्तरक)

2. श्री विश्वनाथ भर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा प्लेट सं० 8 बि०, आठ तटला पर जो 95 साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद
किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 8-8-1979

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त, 1979

निर्देश सं० 488/एकु० रेंज-III/79-80/कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् '1961 अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 5ए है तथा जो 95 साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लेफ्ट कोम्पार्टेन्टिव हाउसिंग सोसायटी लिमि० (अन्तरक)

2. श्री मुहम्मद सेनगुप्त (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा पन्नेट सं० 5 ए, पांच तल्ला पर जो 95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 8-8-1979

मोहर:

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त, 1979

निर्देश सं० 486/एक्यू० रें० III/79-80/कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से
अधिक है

और जिसकी फ्लैट सं० 7ई है तथा जो 95, माउडन
एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपरि उल्लेखित अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि०
(अन्तरक)

2. श्री निर्मलेन्दु भेन गुप्त (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में वृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा फ्लैट सं० 7ई, पांच तल्ला पर जो 95, माउडन
एवेन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 8-8-1979

मोहर:

प्रकरण धार्मिक टी. एन. एन.—

धायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त, 1979

निर्देश सं० 460/एनयू. रेंज-III/79-80/कल०—अतः

मुझे, भास्कर सेन

धायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी फ्लैट सं० 4 बी० है तथा जो 95, माउदन एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित संक्षेप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धारितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लेफ्ट कोमोडोर रिटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि० (अन्तरक)

2. श्री ए० सी० गुह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूचा फ्लैट सं० 4 बी०, चार तल्ला पर जो 95 माउदन एवेन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 8-8-79
सोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1979

निर्देश सं० 491/एकु० रें० III/79-80/कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 7 बी है तथा जो 95, साउदर्न एविन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बारे में ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

4-256GI/79

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि० (अन्तरक)

2. श्रीमती बिथिका कुन्दु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवहारीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा फ्लैट सं० 7 बी०, सात तल्ला पर जो 95, साउदर्न एविन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद
किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 8-8-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- ; कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1979

निर्देश सं० 492/एकु० रें० III/79-80/कल०—अतः

मुझे, भास्कर सेन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० 4 ए है तथा जो 95, साउदन एविन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि०
(अन्तरक)

2. श्री सुधीर कुमार पाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

समूचा प्लेट सं० 4ए, चार तल्ला पर जो 95, साउदन एविन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित ।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 8-8-1979

मोहर :

प्रकृप आई० डी० एन० एच०—

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि०
95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार2. श्रीमती सन्ध्या चक्रवर्ती 20/6, राजा भनिन्द्रा
रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त, 1979

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप।—

निर्देश सं० 493/एकु० रेंज०-III/79-80/कल०—अतः,
मुझे, भास्कर सेन(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।और जिसकी सं० फ्लैट सं० 3 सी० है तथा जो 95,
साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

अनसजो

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;समूचा फ्लैट सं० 3 सी०, तीन तल्ला पर जो 95,
साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित।भास्कर सेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16।अतः, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्माहू—

तारीख: 8-8-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1979

निर्देश सं० 494/एकु० रेंज० III/79-80/कल०—

अतः, मुझे, भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 5 सी० है तथा जो 95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि० 95, साउदर्न एवेन्यू कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री पी० के० बसु और एस० एन० बसु 2/1 श्यामाचरण दे स्ट्रीट कलकत्ता, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

समूचा फ्लैट सं० 5 सी०, पांच तल्ला पर जो 95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित ।

भास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—III, कलकत्ता—16

तारीख : 8-8-79

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 476/एकु० रें० III/79-80/कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो झामापुर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-12-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धारता:—

1. श्री निर्मल कुमार घोष, 1 झामापुर लेन, कलकत्ता (अन्तरक)
2. श्रीमती त्रिजमनि देवी 16 हांस पुर लेन, कलकत्ता। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्ठा 6 छटांक 20 स्को० फुट जमीन साथ उस पर बनाया मकान का अबिभक्त हिस्सा जो 1, झामा-पुर लेन, कलकत्ता पर अवस्थित और जो दलिल सं० I-5706/1978 के अनुसार है।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 12-7-1979
मोहर:

प्रकर आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 477/एकु० रें०-III/79-80/कल०--

अतः मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो झामापुर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यह उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री निर्मल कुमार घोष, 1 झामापुर लेन, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्रीमती रामकली देवी, 109, ओ० रोड, इलाहाबाद, उ० प्र०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रा :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों 77 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्वन्नाशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रचलित होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्ठा 6 छटांक 20 स्को० फु० जमीन साथ उसपर बनाया मकान का अधिभक्त हिस्सा जो 1 झामापुर लेन, कलकत्ता पर अवस्थित और जो दलिल सं० 5705/1978 का अनुसार है।

भास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-III, रफी अहमद किदवई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 12-7-1979

मोहर:

प्रा.प. धार्. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 478/एकु० रें०-111/79-80/कल०—अतः

मुझे, भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी 1 है तथा जो आमापुकुर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-12-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री निर्मल कुमार घोष, 1, आमापुकुर लेन, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी देवि साहू, 72/1, गिरिश पार्क नार्थ, कलकत्ता। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषोद्घातकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 11 छटांक 18 स्को० फुट जमीन जो 1 आमापुकुर लेन, कलकत्ता पर अवस्थित और जो दलिल सं० 5704/1978 के अनुसार है।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 12-7-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 479/एकु० रें०-III/79-80/कल०— अतः
मुद्र, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो ग्रामापुपुर लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 12-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री निर्मल कुमार घोष, ग्रामापुपुर लेन, कलकत्ता
(अन्तरक)

2. श्रीमती कमला देवी 72/1 गिरिण पार्क, नार्थ,
कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्टा 4 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया
मकान का अविभक्त हिस्सा जो 1, ग्रामापुपुर लेन, कलकत्ता
पर अवस्थित और जो दलिल सं० 5703/1978 के अनुसार
है।

भास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 12-7-1979

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 480/एकु० रें० III/79-80 /कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो शामापुकुर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-256GI/79

1. श्री निर्मल कुमार घोष 1 शोमापुकुर लेन, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्रीमती पार्वती देवी 72/1 गिरिण पार्क नार्थ, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्टा 4 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया मकान का अविभक्त भाग जो 1, शामापुकुर लेन, कलकत्ता पर अवस्थित और जो दलिल सं० 5702/1978।

भास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 12-12-1978

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई, 1979

निर्देश सं० 481/एकु० रें० III/79 80/कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिमकी सं० 1 है तथा जो क्षामापुकुर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्धरवें (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के होवें ऐव अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधोल कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भूम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारच में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री निर्मल कुमार घोष 1, क्षामापुकुर लेन, कलकत्ता (अन्तरक)

2. (1) श्री राजकुमार केसरवानी
(2) श्री विजयकुमार केसरवानी,
(3) श्री अशोक कुमार केसरवानी
(4) श्री प्रदीप कुमार केसरवानी सबका पता 72/1, गिरिण पार्क, नार्थ कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 1—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 11 छटांक 18 स्क० फुट जमीन सम्पत्ति का अधिकृत अधीन जो 1, क्षामापुकुर लेन, कलकत्ता पर अवस्थित और जो दलिल सं० 5707/1978 के अनुसार है।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 111, कलकत्ता 16

तारीख: 12-7-1979

महं:

प्राकृत्य आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जुलाई, 1979

निर्देश सं० 482/एकु० रें०-III/79-80/कल०—अन०,
मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 51-एन० है तथा जो गरचा रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सियालदह में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अर्जिन, तारीख 5-12-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्न में व्यवस्थित करने के लिये नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य संपत्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सानमा बेगम, मेहेरुन्नेसा, मौ० अशरफ अली
गंज नूरुल हुदा, शेख दबदुरजोदा, सकतरा बेगम, नाश्री
बेगम, मुश्री बेगम, कावसर आलम और आमगरी बेगम,
सबका पता 50बी०, दिलखुमा स्ट्रीट, कलकत्ता-17।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कल्याणी सेन 51एन०, खरचा रोड, कलकत्ता।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रतीहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

बराबरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 8 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया
स्ट्रक्चर्स जो 51 एन, गरचा रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 18-7-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 98/रज-II/कल०/1979-80—

यतः, मुझे, एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 23ए/440 है तथा जो डि० एच० रोड़,
कलकत्ता-53 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में बंछित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, डि० रजिस्ट्रार, 24 परगना, अलीपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 12-12-197 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० पि० के० सरकार एंड को० (प्रा०) लि०
(अन्तरक)

2. डिलाईट कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू कर रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

न्यू अलीपुर ब्लाक के, प्रेमिसेज नं० 23/440, डि०
एच० रोड़, कलकत्ता में 4.75 कट्टा जमीन है।

एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-II, कलकत्ता

तारीख : 25-7-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 25 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सी०-15/रेंज-II/कल०/1979-80—

यतः, मुझे, एस० सी० यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा चाकमीर, पी०
एस० महेशतला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनमूर्ची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के
कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, अलीपुर सदर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नियमागता गरीबन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में सार्वजनिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त
अधिनियम के प्रवीन कर देने के अन्तरक के
शायतन में कमो करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मै० बिडला जूट मैनुफैक्चरिंग को० लिमिटेड।
(अन्तरक)

2. मै० कटुमनम इलेक्ट्रिकल (प्रा०) लिमिटेड।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आयवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मौजा चाकमीर, पी० एम० महेशतला दि०-24 परगनाम
में 399 डेसी० जमिन है।

एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16।

दिनांक : 25-7-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 25 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 16/रेंज-II/कल०/1979-80—

यतः, मुझे, एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा चाकमीर पी० एस० महेशतला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, अलीपुर सदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-12-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्च प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किमा और की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट :—

1. मै० बिडला जुट मा० को० लि० 9/1, आर० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता-1। (अन्तरक)
2. मै० मारसनस इलेक्ट्रिकल्स (प्रा०) लि० 4, चांदनी चौक स्ट्रीट, कलकत्ता-72। (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ :

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिनभर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही यथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा चाकमीर, पी० एस० महेशतला, दि० 24, परगनास में 4.97 डेसी० जमीन है।

एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16।

तारीख : 25-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० एम०/रेंज-II/कल०/1979-80—

यतः, मुझे, एम० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा चाकमीर,
पि० एम० महेशगढ़, जि० 24 परगनाम में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलीपुर सदर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किया आय या किसी अन्य वास्तविक
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घस-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० बिड़ला जूट मैन्फ़ु० को० लि० (अन्तरक)

2. मै० वीनस कन्सल्टेशन (प्रा०) लि० (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेव—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
निहित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मौजा—चाकमीर, पि० एम० महेशगढ़, जि०-24
परगनाम में 3.90 डेसिमल जमीन है।

एम० सी० यादव
गक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 25-7-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सि० 46/रेंज-4/कल०/1979-80—

यतः, मझे, एस० के० दासगन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 21/1 है तथा जो प्रिन्स बक्तियार शाह रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना-बोझिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० कु ओरियेन्ट बेवेरेजेस लि० (अन्तरक)

2. श्रीमती अनुपमा रक्षित (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

21/1, प्रिन्स बक्तियार शाह रोड, कलकत्ता, थाना—टालीगंज स्थित 2 कट्टा 6 छटाक जमीन के सब कुछ जसे कि 1978 की दलील सं० 6918 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगन्त
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 30 जुलाई, 1979।

मोहर :

आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सि० 46/रेंज-4/कल०/1979-80—

यतः, मुझे एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 21/1 है तथा जो प्रिन्स बक्तियार शाह-रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तिबों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

6—256GI/79

1. मेसर्स औरियेन्ट बेवेरेजेस लि० (अन्तरक)

2. श्री देवव्रत राय चौधुरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

21/1, प्रिन्स बक्तियार शाह रोड, कलकत्ता में स्थित 2 कट्टा 7 छटाक जमीन के सब कुछ जैसे कि 1978 की दलील सं० 7130 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 30-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सि० 44/रेंज-III/कल०/1979-80—

यतः, मुझे, एस० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 21/1 है तथा जो प्रिन्स बेकित्यार शाह रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये घन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मेसर्स ओरियेन्ट बेवेरेजेस लि० (अन्तरक)

2. श्रीमती कमला देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

21/1, प्रिन्स बेकित्यार शाह रोड, मौजा कांकुलिया, जे० एल० सं० 40, थाना टालिगंज, जिला-24 परगना स्थित 2 कट्टा 13 छटाक 37 स्को० फि० जमीन के सब कुछ जैसे कि 1978 की दलील सं० 6916 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 30-7-1979

हस्ताक्षर :

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सी०-51/रेंज-4/कल०/1979-80—

यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्याबर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 55 है तथा जो सरत बनर्जी रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-12-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुसुम जाजु, राजेन्द्र बरमन (अन्तरक)
2. श्रीमती लक्ष्मी देवी आगरवाला, अशोक आगरवाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्याबर संपत्ति में हितव्य किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

55 सरत बनर्जी रोड़, पी० एस० टालिगंज, कलकत्ता स्थित 6 कट्टा 9 छटांक 34 स्को० फुट जमीन पर मकान के जैसे के 1978 का तालुक सं० 5740 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV; कलकत्ता

तारीख : 31 जुलाई, 1979।

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० सि० 50/रेंज-IV/कल०/1979-80—

यतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 55 है तथा जो डा० सरत बनर्जी रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-12-1978

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कुसुम जाजू, राजेन्द्र बरमन, पुनिल बरमन लाभ बरमन, कुसुम बरमन, सविधा बरमन (अन्तरक)

2. श्री पासाराम पारिक, टोल्लाराम पारिक, खेमराज पारिक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोद्विस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

55 सरत बनर्जी रोड़, पि० एस० टालिगंज स्थित 6 कट्टा 9 छटांक 20 स्को० फुट जमीन पर भकान के जैसे के 1978 का दलिल सं० 5739 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 16 अगस्त, 1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० मि० 48/रेंज-4/कल०/1979-80—

यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 21/1, है तथा जो प्रिन्स बक्तियार शाह
रोड़, कलकत्ता-33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स औरियेन्ट विवरजेस लि० (अन्तरक)
2. श्री तेजेन्द्र कुमार सरकार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के अनुयाय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची

21/1, प्रिन्स बक्तियार शाह रोड़, थाना-टालिगंज,
कलकत्ता-33 स्थित 1 कठ्ठा 14 छटांक जमीन के सब कुछ
जैसे कि 1978 का दलिल सं० 6919 में और पूर्ण रूप
से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 31-7-1979
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 अगस्त 1979

निर्देश सं० 486/एकु० रं० III/79-80/कल०—

अतः, मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 22 है तथा जो देबेन्द्र लाल खान रोड़,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आलिपुर सदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत
अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
वास्तविक कर से छूट नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के बावजूद में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रन्-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :—

1. श्री सुधीर चन्द्र मित्र, 19 कमाक स्ट्रीट, कलकत्ता
(अन्तरक)

2. मै० खेतान सेविंग्स प्रा० लिमि० 46 सि०
जवाहरलाल नेहरू रोड़, कलकत्ता। (अन्तरिती)

3. 1. मै० खेतान फिज प्रा० लि०

2. मै० आटो सर्विसेज (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है;
वही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

समूचा दो तल्ला मकान और स्टूकचरस साथ 28 कट्टा
4 छटाक 20 स्को० फु० जमीन जो 22, देबेन्द्र लाल खान
रोड़, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज—III, कलकत्ता

तारीख : 4-8-1979
मोहर :

प्रकृष आर्डी. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अगस्त 1979

1. श्री अजित कुमार मित्र

(अन्तरक)

2. मै० कोलाइट केमिकल्स प्राइवेट लि०

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-आ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

प्रेमिसेस नं० 8, गिरिश चन्द्र घोष रोड़, मौजा काली-वह, पी० एस० दम दम, जिला 24 परगना।

एस० सी० यादव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख : 6-8-1979

मोहर :

प्ररूप पार्स० डी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अगस्त, 1979

निर्देश सं० ए० सि० 24/रेंज-II/कल०/1979-80---

यतः, मुझे, एम० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13ए और 13बी है तथा जो आरिफ रोड़, मौजा ऊलटाडांगा, पि० एम० मानिकतला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में भारतीय रुप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री प्रकाश चन्द्र साहा

(अन्तरक)

2. श्रीमती ऊषा देवी जायसवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का माप 5 कट्टा, 15 छटांक 38 श्क्वा० फु० जो कि 13ए और 13बी आरिफ रोड़ मौजा ऊलटाडांगा पि० एम० मानिकतला में अवस्थित।

एम० सी० यादव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 9 अगस्त, 1979

मोहर:

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

1. श्री निवारन चंद्र साहा (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती सावित्री देवी जायमवाल (साहु) (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० सि० 23/रेंज-II/कल०/1979-80—
यतः, मुझे एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 13ए/23 है तथा जो आरिफ रोड़,
मौजा उलटाडांगा, पि० एस० मानिकतला में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 18-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
नायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—
7-256GI/79

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यग्घी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

व्यवहारीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका माप 6 कट्टा, 0 छटांक 1 स्को० फु०
है तथा जो 13ए/23, आरिफ रोड़, मौजा उलटाडांगा,
पि० एस० मानिकतला में अवस्थित।

एस० सी० यादव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 9-8-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० सि० 52/एफिव० रेंज-IV/कल०/1979
यतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० 163/1 है तथा जो एन० एस० रोड,
बांकुड़ा, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 8-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव और बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दापित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निम्न;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निम्न;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकीर्तः—

1. श्रीमती महामाया देवी उर्फ सेन (अन्तरक)

2. श्रीमती गीता रानी हाजरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अनुयाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो तब अधिनियम में
दिया गया है।

अनुसूची

163/1, एन० एस० रोड, बांकुड़ा, जिला हावड़ा स्थित
9 कट्टा 3 छटाक, 35 स्को० फिट जमीन के सब कुछ जैसे कि
1978 का दलील सं० 1847 में और पूर्ण रूप से वर्णित
है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 9-8-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 जुलाई 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 137/79-80—यतः, मुझे,
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० 40-1-920, 920/ए, तिलक रोड़,
है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर
1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्स में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अधोपनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी।—

1. (1) श्री अबान एच० रुस्तमजी 3-सी,
(2) कुसरो-एन० बरुच्चा बाम्बे
(3) फरक एन० बरुच्चा पुणे। (अन्तरक)
2. श्री डी० सीतारामय्या
डी० वेनकटराऊ, 4-1-920 तिलक रास्ता, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के
लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला घर और बाजू के घर वीस्तेन 883 वर्ग
गार्ड मकान नं० 4-1-920, 4-1-920/ए और 4-1-
920/ई० धीनबाद स्टेट, तिलक रास्ता, हैदराबाद में है
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5257/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
घर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 28-7-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 जुलाई, 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 138/79-80—यतः
मुखे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-700/ए रास्ता नं० 12 है, जो बनजार हिल्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सर्वश्री (1) अबदुल्ला बिन मोहम्मद पिता उमर नवावाजंग (2) अबद बिन मोहम्मद (3) श्रीमती सुल्तानुनीसा (4) श्रीमती शमशीननीसा बेगम, (5) श्रीमती सरदारुनीसा बेगम, (6) वीकारुनीसा बेगम, (7) मोहसिन बिन मोहम्मद (8) अमर बिन मोहम्मद तमाम घर नं० 10-2-6-हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती सविता श्रीशणा पति पी० वी० श्रीशणा रेडी 3-6-166/1, हैदरगुडा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोहताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

व्यञ्जीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० और प्लॉट नं० 2-8-2-700/ए रास्ता नं० 12 बनजार हिल्स हैदराबाद—जुमला वीस्तेन 1045 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3381/78 उपर रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 28-7-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 जुलाई, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 139/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-1062, 1063 है, जो बोगुलकुन्टा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन अर्थात् :—

1. (1) श्री बी० सुदीर कुमार (2) बी० दिलीप कुमार घर नं० 4-1-1062, 1063, बोगुलकुन्टा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. (1) डाक्टर नन्दन सिंह (2) डाक्टर विजया नन्दन सिंह घर नं० 4-1-898, तीलक रास्ता, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-1-1062 और 4-1-1063, बोगुलकुन्टा हैदराबाद में हैं बीस्तेन 315 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5357/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 28-7-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अगस्त, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 140/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-22/42/3 है, जो आदर्श नगर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती इन्दिरा देवी पति वी० राजेश्वर राव घर नं० 8-2-350/5-ए बनजारा हिल्स हैदराबाद जिसका अधिकारी वी० राजेश्वर राऊ है। (अन्तरक)

2. श्रीमती ली सीमांग चींगयींग (2) ली० ली० हान (3) ली ची हाऊ (4) ली० ची० चीन तमाम का घर 5-9-22/42/3 आदर्श नगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

घर नं० 5-9-22/43 जमीन का सत्ता पर वीस्तेन 813-73 वर्ग फीट आदर्श नगर हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5379/78 रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2-8-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अगस्त, 1979

निर्देश सं० आर० सी० नं० 141/79-80—यतः मुझे के०
के० वीरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 4-1-938/आर०-14, और 15 है,
जो तीलक रास्ता, हैदराबाद में स्थित है (और इससे
उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिसम्बर, 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमो करने या उचित करने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तविकों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा के लिए:अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. मै० क्रीशणा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 5-8-6/2 आबीद
रास्ता, हैदराबाद। (अन्तरक)2. मेसर्स श्रीनिवास और प्रसाद घर नं० 4-1-938/
आर०-14 और 15 वो मंजिला घर तीलक रास्ता,
हैदराबाद। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त पंक्ति के प्रवेश के संबंध में कोई भी धात्री:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताधरी के पान लिखित में
दिष्ट हो सके।स्पष्टीकरण:— मैं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उन प्रयोग में दित गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 4-1-938/आर०-14, और 15 दो
मंजिला घर तीलक रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
5264/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2-8-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अगस्त, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 142/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-22/42/7 है, जो आदस नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. श्री विद्यासागर राज श्री पी० ए० वी० राधेशावरराज घर नं० 8-2-350/5 ए० बनजारा हिल्स हैदराबाद। (अन्तरक)

2. मेसर्स देसीईत लिमिटेड घर नं० 5-9-22/42/7 आदस नगर, हैदराबाद (सदर घर नई दिल्ली) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5-9-22/42/7 दूसरे मन्जिल सत्ता पर आदस नगर हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5376/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-8-1979
मोहर :

प्रकाश आर्टिस्टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अगस्त, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 143/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-22/42/8 है, जो आदर्श नगर,
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक, 1 अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और नुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

8—256G1/79

1. श्री महेश कुमार राजू पिता श्री० राधेश्वर राजू
8-2-350/5-ए० बनजारा हील्स, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. मेसर्स भानुमति वसानजी कोटेचा पति० एच०
कोटेचा घर नं० 5-9-22/42/8 आदर्श नगर, हैदराबाद।
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निये एतद्वारा कार्यवाहियां करावें।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के
पात निबन्धन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 5-9-2242/8 दो मंजिला घर आदर्श नगर,
हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5377/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-8-1079
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त, 1979

निर्देश सं० आर०ए०सी० नं० 144/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी सं० 5-9-22/42/1 है, जो आदर्स नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्थ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, (I) अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार राज पिता श्री० राधेश्वर राज धर नं० 8-2-350/5/ए० बनजारा हिल्स, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री आनन्द मोहनलाल पिता श्री मोहन लाल धर नं० 23-1-74 चारमीनार ईस्ट, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवहारीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 5-9-22/42/1 आदर्स नगर हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5605/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-8-1979
मोहर :

प्रकट आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 3 अगस्त 1979

आर० ये० सी० नं० 145/79—80—अतः मुझे

के० के० धीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 218 और 219 है, जो चन्द्रलोक काम्पलेक्स सीकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के तन्त्र प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लपटाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवहारा, अर्थात्—

(1) स्वास्तीक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी घर नं० 111-सरोजिनी देवी रास्ता सीकन्दराबाद (अन्तरक)

2. श्री वेंकटा नरसीमाराजु 1-1-300/1/ए/1 अशोकनगर हैदराबाद (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 218 और 219 दो मंजिला घर चन्द्रलोक काम्पलेक्स सरोजिनी देवी रास्ता सीकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 559/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० धीर
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 3-8-1979

मोहर:

प्रश्न भाई० टी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-अ (1) के प्रवचन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

निर्देश सं० आर० ऐ० सी० नं० 146/79-80—

अतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसका परचाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के प्रवचन सूचना अधिकांश को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 220—और 221 है, जो चन्द्रालोक घर सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978 को पूर्वाज्ञापन के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धनराशि की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अध्यावृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में साक्ष्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अर्थान्त कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को निम्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्व द्वारा अंकित नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, उपरान्त में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के प्रवचन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वाधिकारः—

1. स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी लि—ऐन डी० रास्ता सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमान् बी० पुष्पीराजेश्वरी 1-10-1/15 आशोकनगर हैदराबाद (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी उनके पूर्वाज्ञापन के अर्थः लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थ के अर्थों में कोई भी प्राप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्रभाव्य होती हो, के अंतर्गत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा एनापरी के पास निहित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वये 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अश्वमेध

आफिस कार्यालय नं० 220 और 221 दूसरा मंजिल पर घर का नाम चन्द्रालोक काम्प्लेक्स-111-नवरोजिनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5599/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 3-8-479
मोहर :

आर्. आर्. टी. एन. एन. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, पञ्चम आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

आर. एं. सी. नं० 147/79—80—अतः मुझे के० के० धीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-56 अमीरपेट है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर का निम्न तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर का निम्नलिखित में वास्तविक रूप से धणित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किता यात्रा का शायद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किता यात्रा या किता यात्रा या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिए था, निम्नलिखित में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए से उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) मैं रत्नराउ (2) ये० वेंकटेश्वर रोड (3) मैं सत्यानारायणा घर नं० 2-2-1105/89/3 तमावला-कुपटा हैदराबाद (अन्तरक)

2. ई० अरोया परमाणुटीकलस कम्पनी घर नं० 7-1-55/1 अमीरपेट हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके इसका सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के संबंध में कोई भी पाक्षक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 7-1-56 अमीरपेट हैदराबाद बीस्टन वरी मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3233/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय केरनाबाद में।

के० के० धीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 3-8-479
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

आर० ए० सी० नं० 48/79-80—अतः मुझे के० बी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1-8-215/27 पी गास्ट है, जो रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मादि:—

1. श्रीमति एम० रानगम्मा पति एम० नरसीम्मा (2) एस० बालराज, (3) एम० प्रकाश राउ (4) एस० गोवीन्द मुरली (5) एस० वेन्कटेश्वर राव (6) एम हरीकीशन (7) एम हनुमन्तराउ (8) एम० शीव शंकर घर 1-8-215/26 लाल बहादुर नगर सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. श्री बी० अश्वारपु वीरप्पा कपडिया विजनेस तम्बाक बाजार सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली सला का घर नं० 1-8-215/277 लाल बहादुर नगर (पेन्डरघास्ट) रास्ता सीकन्दराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2998/68 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० बी०
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-8-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

आर० ऐ० सी० नं० 149/79-80—अतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० 7 है, जो ललितनगर कालोनी सिकन्दराबाद में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्त, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
मोहर/न

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति पी० सरस्वती घर नं० 1-8-215/11 लाल-बहादुर (नगर) बाग पेनडरहास्ट रास्ता सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. (1) रागी रादम्मा (2) रागी लक्ष्मी नरम्मा, (3) आर० मादवाधारी 8-1-712 जीवाजी नगर सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी प्लॉट नं० 7 ललितनगर कालोनी मारेडपली सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3110/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 3-8-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

आर० ए० सी० नं० 150/79:-80—अतः मुझे के०
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-623 हैदराबाद है, जो रास्ता नं०
10 बनजारा हिल्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, कैरनाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 9-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री एस० नारायणमूर्ति घर नं० 8-2-623/ए०
बनजारा हिल्स हैदराबाद रास्ता नं० 10 (अन्तरक)

2. श्रीमति अनीस ग़नीम ग़नीम पति नैयद ग़नीम
लतीफ घर नं० 5-9-7/1 राशन मन्जिल सैफाबाद हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में कि जा सकेंगे।

हस्ताक्षर:—इसमें प्रयुक्त जम्हों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 8-2-623 बनजारा हिल्स रास्ता नं० 10
हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3340/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय कैरनाबाद में।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 3-8-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

आर० ए० सी० नं० 151/79—80—अतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 102 कलायेनराव है, जो एस०
जी० रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर
78।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, दिनांक में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

9-256GI/79

1. मैसर्स ऊमाकरन और तेजकरन स्त्री तेजकरन
(2) श्री राजाराम करन घर नं० 8-2-547 बनजारा हिल्ज
हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री रामेश्वर प्रसाद मोदी घर नं० 76/2 रामगोल-
पेट सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 102 ब्लॉक नं० 1 नीचे का सवा पर विस्टर्न
69:60 वर्गमीटर सरोजिनीदेवी रास्ता सिकन्दराबाद में
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० सिकन्दराबाद में

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 3-8-1979
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

प्रार० ए० सी० नं० 152/79—80—अतः मुझे के०
के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 48 है, जो दीवानदेवई हैदराबाद
में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आजमपुरा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिसम्बर, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत्:—

1. मेसर्स शाह बुल्डर्स घर 22-7-269/3 दीवान देवई
हैदराबाद (अन्तरक)

2 श्री दखेज अली रजवी 22-7-268/2 दीवान देवी
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 48 शासकान काम्प्लेक्स दीवान देवई
हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3477/78 उप रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० और कार्यालय आजमपुरा।

के० के० बीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 3-8-1979

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 3 अगस्त 1979

भार० ऐ० सी० नं० 153/79—80—अतः मुझे के०
के० धीर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 13 प्रसाद बेटर है, जो गुनतकल
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुनतकल
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के मायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों बर्तित :—

1. मैसर्स प्रसाद प्रोडक्शन लिमिटेड नं० 2 सारंगापानी
गली स्यागरायानगर मद्रास-17 (अन्तरक)

2. मैसर्स टी० रत्नमा सेटी गुनतकल अर्नतापुर जिला
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"प्रसाद"—सेक्टर वार्ड नं० 13 गुनतकल के पास अननता-
पुर जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 988/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय गुनतकल में।

के० के० धीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 3-8-1979
मोहर :

प्रकृष बार्डि० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 अगस्त 1979

सं० आर० ऐ० सी० नं० 165/79—80—अतः मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-मलगीयां 16/706/5 ता है, जो 16 706/9 नागुलमीटा नेलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति महालक्ष्मम्मा पति एस० पेदा सुबारेडी (2) श्रीमति शकुन्तलम्मा नेलूर के निवासी (अन्तरक)

2. श्री वरदा अलवार पिता बैकट्टेसेशैय्या धीनाबाजार नेलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5-मलगीयां नं० 16/706/5, 16/706/6, 706/7, 706/8 और 706/9, बागुलामिट्टा रास्ता नेलूर में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3627/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय नेलूर में।

के० के० वीर

सक्षमप्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-8-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1979

नं० आर० ए० सी० नं० 166/79—80—प्रतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 12/3/7 (12-1-150) है, जो पीनावारी गली
वरनगल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
वरनगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत; उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना चाहिए; या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कोईमला बुच्चिराजा बसवय्या पिता राजसेकरा
घर नं० 8-10-77 पीनावारीगली वसगल (अन्तरक)

2. श्रीमति राजुबारी बहती पति शदाकिशना बहती
पीनावारी गली वसगल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 12/317 (नया नं० 12-1-150) पीनावारी गली
वरनगल में बीबागी है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4437/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय वरनगल में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-8-1979

मोहर :

प्रकट आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1979

सं आर० ऐ० सी० नं० 167/79—80—अतः मुझे के० के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-213 है, जो हीमायतनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित अं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

1. श्रीमति खमरुब्रीसा बेगम घर नं० 5-9-87 अली मन्जिल घाफल रास्ता हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री जी० वीटलरेड्डी 3-2-783/1 रसमताबाग घाफल बाजार हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-213 हीमायतनगर हैदराबाद में वेस्टर्न 721 वार्ड I रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5485/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1979

सं० आर ए० सी० नं० 168/79--80—अतः मुझे के० के०

वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-213 है, जो हीमात नगर हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्रीमति शमकनीसा बेगम घर नं० 5-9-87 अलीमन-जोल घाफलरास्ता हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री सी० बी० रामाबद्राराउ (2) सी० राजा (3) सी० पुनीचेन्द्रराउ इन तीन के पिता मत्थानारायणा घर नं० 3-6-213 हीमात नगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोत्तरग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-213 हीमातनगर हैदराबाद वेस्टर्न 945 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5488/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1979

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त, 1979

नं० आर० ए०सी० नं० 169/79-80—अतः मुझे के० के०
वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-213 है, जो हीमायतनगर हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर
78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय का बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति शमरन्नीमा बेगम घर नं० 5-9-87 अलाम-
मन्जिल धापल रोड हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री जी० वेंकटरैडु पिता जी० एन० रेड्डी सोम्मापुर गाउ
के (2) के० विजयनाथ रेड्डी (3) एस० कासीरेड्डी (4) आर०
जन्नगा रेड्डी इब्रहीमपट्टम तालुक रनगारेड्डी जिला। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धस्तिकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रकरण 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन जिसका वेस्टर्न 568 वर्ग यार्ड है घर नं० 3-6-213
हीमायतनगर हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5487/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1978
मोहर :]

प्रकरण छद्म टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1979

नं० आर० ए० सी० नं० 170/79—80—अतः मुझे, के०

के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-6-206 ता० 209 है, जो पब्लिक गारडन रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भास्तिर्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—256GI/79

1. श्रीमति नजमा बेगम पिता ए० आर कान (2)
मीम नजीनबेगम पीमा कान 11-5-400 रेड्डी हील्म हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्रीमति रजीमामुलताना पति नवाब अहमद इकबाल
कान घर नं० 11-6-206 ता० 209 हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 11-6-206, 207, 208, 209, पहली सग और 2-मन्जिला घर का नं० 11-6-209/ए और 209/बी-पब्लिक गारडन रास्ता हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3337/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 अगस्त 1979

नं० आर ए० सी० नं० 171/79—80—अतः मुझे
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है,

और जिसकी सं० खुली जमीन घर नं० है, जो 1-2-430
दोमलगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर
78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें कटौती में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या लिखा जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,

1. श्री धेकरी रागवेन्दर राउ और सीता महालक्ष्मी 16-11-
1/4 मलकपेट हैदराबाद जी० पी० ये० धी अधिष्ठा 5-9-47/5
बशीर बाग हैदराबाद (अन्तरक)

2. मैसर्स सागर कनस्ट्रक्शन घीसका पार्टनर कुमुदलाल वीरल-
गुड हैदराबाद (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धायीप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

50 प्रतिशत जमीन घर नं० 1-2-430 में वीस्तर्न 250
वर्ग गार्ड है दोमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5423/
78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-8-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1979

आर० ए० सी० नं० 172/79-80—अतः, मुझे के० के०

वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कुल जमीन है, जो 1-2-430 में दीमलगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चग प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चौ० एच० राघवेन्द्र राज 16-11-1/40 मलक-पेट हैदराबाद जी० पी० ए० श्री चौ० अच्युत 5-9-47/5 बशीरबाग हैदराबाद (अन्तरक)

2. मैसर्स सागर कनस्ट्रक्शन जिसका पार्टनर मुकुन्दलाल पु० स्व० श्रीनिवास पीरि एफसी-14 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

50 प्रतिशत कुल जमीनें घर नं० 1-2-430 से वेस्टर्न 500 वर्ग यार्ड है दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5390/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1979

अर० ए० सी० नं० 173/79-80—अतः, मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कुल जमीन है, जो 1-1-230/16/1 धीकाइपली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 78।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति जी० जगदम्बा पत्ति श्री जी० एस० भाषयम नं० 1-1-230/12 बीवेकनगर चौकाइपली हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमति बी० गोरीराजातुकाराम पत्ति श्री बी० तुकाराम 6-1-279/10/1 परमाराऊनगर सिकन्द्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन घर नं० 1-1-230/16/1 धीकाइपली हैदराबाद में वेस्टर्न 676 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5467/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1979
मोहर :

प्रश्न भाई० टी० एम० एस०—

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 अगस्त 1979

निर्देश नं० आर० ए० सी० नं० 174/79-80—अतः, मुझे के० के० वीर

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1-2-524 दोमालगुडा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तर्लिखित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य भास्वियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति चीनतापानी पुपयावाथम्मा पति सी० अंचईया 5-9-47/5 बाशीरबाग हैदराबाद (अन्तरक)

2. मैमर्स सागर कन्स्ट्रक्शन कंपनी पार्टनर श्री मुकुन्दलाल पीट्टी 14-एफ० सी० सागर वीथी मकान हैदराबाद (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वाराधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-2-524 दोमालगुडा गगनमहल, हैदराबाद में पैमाइश 1380 वर्ग गज रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5520/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1979

निर्देश नं० आर० ए० सी० नं० 175/79-80—यतः, मुझे,
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिस की सं० 3-6-420/अ में है जो हीमायतनगर
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से
कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीति:—

(1) श्री आई० एम० शर्मा, पिता श्री लछमणा शर्मा (आय-
कर प्रेक्टीशनर—निजामाबाद) 3-6-420/बी०
हीमायतनगर हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री एम० बाबू राजी पिता स्वर्गीय एम० बालम्या
11-2-842/2/डी० सीथारामबाग हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बा:
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर का नं० 3-6-420-ए० पैमाइश 346 वर्ग गज
हीमायतनगर हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5579/78
उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13 अगस्त 1979

मोहर :

प्राकृप घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 176/79-80—यतः, मुझे,
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-22/42/3 है, जो आदर्शनगर हैदरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुरेशकुमार राजौ पिता वी० राजेश्वर राजौ
घर नं० 8-2-350/5ए बनजारा हिल्स हैदराबाद
अभिवेदक श्री जी० पी० ए० वी० राजेश्वर राजौ
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनेयाना देवी पति डाक्टर लाजपत राजौ
घर 22-4-567 शादीलाल लेन-याकतपुरा, में
हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रमाण में दिया
गया है ।

अनुसूची

दो मजिला फ्लैट नं० 5-9-22/42/3 आदर्शनगर हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5270/78 संयुक्त उपरजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में ।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 177/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन नं० 6-3-1094 है, जो सोमाजीगुड्डा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसिद्धार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नबः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहम्मद मुकर्रम अली और अन्य 6-3-1094 सोमाजीगुड्डा, हैदराबाद

(प्रन्तरक)

(2) श्री किशन चन्द मेहरा घर नं० 5/6 ब्रह्मानन्दनगर नई मल हफेट, हैदराबाद

2. लिलकराज धावान 20-1-314 कोका-कीन्टाट्टी हैदराबाद

(प्रन्तरिती)

• को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोषस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 642 वर्ग गज घर नं० 6-3-1094 सोमाजी-गुड्डा हैदराबाद। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5286/78 संयुक्त उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रस्पष्टाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश नं० आ० ए० सी० नं० 178/79-80--यतः, मुझे,
के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 5-4-513 है, जो कटलमनडी हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908-(1908 का 16)
के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1978

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (घस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिश में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित शर्तियों, धर्यान् :-

11-256GI/79

(1) श्री पी० सुदर्शन रेड्डी (2) श्री पी० मनमोहन रेड्डी
घर नं० 5-4-513 कटलमनडी हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री डी० यंगनैना इस्नामिया एजुकेशनल बोर्ड
उनका अधिवृत्ति श्री सदरुद्दीन घर नं० 5-8-503
आगाखान ईस्ट में योरागली लेन, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञेन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञेन के संबंध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-4-513 पंमाईश 1320 वर्ग गज पुराना कटल-
मनडी हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5298/78 संयुक्त उप-
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर
समक्ष अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17 अगस्त 1979।

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश नं० आर० ए० सी० नं० 179/79-80—यतः,
मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 4-7-193, 194 और 195, है, जो इन मिया
बाजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री टी० रामकृष्ण पिता ताटीपल्ली विष्णुनाथम
चैतन्यपेट—नालुगु, मेदक—जिला
(अन्तरक)

(2) श्रीमती अम्बाला इन्दिरा पति ए० श्री सत्यनारायण
4-7-193 इन मिया बाजार हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-7-193, 194, और 195, इसामिया बाजार
हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5352/78 संसुक्त उप-
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 17-8-79
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को द्वारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० नं० 180/79-80-यतः मुझे
के० के० वीर,आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक हैऔर जिसकी सं० मलगी नं० ए-2 आर्बीड है, जो शर्पिंग
सेन्टर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
श्री पूर्णल से वर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 78को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक का न कमियां नहीं किया गया है :-(क) अन्तरण में हुई किसी भी बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में
कमो करने में उपायसे बचा में मुविधा के लिए;
प्रोत्सा(ख) जहाँ किसी प्रायः संपत्ति या अन्य प्राप्ति को
जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए, लिखित में मुविधा के लिए।यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सूचन में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-(1) मैसर्स ऐमोसियेटिड बुल्डर्स और रीयलस्टेट,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मींस उमेरा (मैनर) पिता उनके पैडकार है
मुहम्मद अब्दुल्लाखान 5-9-160 पब्लिक गार्डन
रास्ता हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का सवा-मलगी नं० ए-2 आर्बीड शर्पिंग सेन्टर
धीरागली लेन में हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5354/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी,

निरीक्षण सहायक आयुक्त आयुक्त

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सं० सं० 181/79-80-मत: गुले के० के०
वीर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयान्तरण
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5-9-22/42/2 है, जो आदर्श नगर,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूचा में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अर्थिक अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
बहु-य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय जो बाजार उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

मत: यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
की उप-धारा (1) के अर्जन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वी० राजेश्वर राऊ 8-2-350/5 ए बनजारा
हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वसुधायनी प्रगती धेतानीया 5-9-22/42/2
आदर्श नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वन्ना-
जरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रयाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रयाय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5-9-22/42/2 आदर्श नगर, हैदराबाद रजिस्ट्रार
दस्तावेज नं० 5378/78 उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० नं० 182/79-80—प्रतः मुझे, के० के० बोर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2-5-9-22/42 है, जो आदर्शनगर, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रस्तातः—

(1) मैसर्स निरादा राऊ घर नं० 8-2-350/5ए, बनजारा हिल्स, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) मैसर्स ऊशा राऊ मोमका पैरोकार ए० जी० के० मूर्ती 2, श्रीमती ए० शान्ता देवी पत्नी मुरती है 5-9-22/42 आदर्शनगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्देशाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोक्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2, घर नं० 5-9-22/42 आदर्शनगर, हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5566/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

के० के० बोर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979

ओहर :

परूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सं० नं० 183/79-80—यन: मुझे, के० के०
वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
के अधीन मसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है

और जिनकी सं० 6-2-11/1 है, जो लकड़ी का पुल हैदराबाद
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचों में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रारकी अधिकारों के कार्यालय, कर्नाटका में भारतीय
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नए गणना गणना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप में नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निवेश या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मत: भव; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
धीन निम्नलिखित व्यक्तिगत अवगत:—

(1) श्रीमती हकीमबेगम बेगम पिता इकरमजेतग बहादुर ।
2. श्रीमती नफीजुद्दीन खान 6-1-11/1 सैफाबाद
हैदराबाद । (अन्तरक)

(2) श्रीमता मीराज पातोमा पत्नी एम० निजामुद्दीन खान
32-3 आर०-डो० सैफाबाद कानोनी, हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें पढ़ाई शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

घर नं० 6-2-11/1 लकड़ी का पुल हैदराबाद रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 3183/78- उप रजिस्ट्री कार्यालय कर्नाटका में ।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद ।

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० नं० 184/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 29 है, आ सीमाजीगुड्डा, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कौताबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जिनेन्द्र राज (हॉट रिटायर) घर नं० 6-3-1238-पोभाजीगुड्डा, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) डाक्टर जी० नरसिम्ह राऊ 1-2-593/6 दोमंडलगुड्डा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जा के सम्बन्ध में कोई भी याचिका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 29-जोस्तन, 950 वर्ग याडें मंत्र नं० 32/1 में है, राजभवन रास्ता सीमाजीगुड्डा हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3301/78 उन रजिस्ट्री कार्यालय कौताबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रहूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० नं० 185/79-80—यतः मुझे,
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'नया अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट नं० जमीन है, जो आसीफनगर, हैदरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकांश के कार्यालय, कैरताबाद
में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देव के अन्तरक के
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी०वी० रामाकृष्णा घर 16-11-772, मुमारायम
बाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० वी० एम० लीला पत्नी के० रागवाराऊ
3-4-460 नारायणगुड्डा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

वास्तविकता :—इन्हें चुका गये और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
बड़ी प्रती होता जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 5-वीर्स्तन, 505 वर्ग यार्ड, श्रीराम नगर
नगर पंचायत सोसाइटी अमीरनगर हैदराबाद; रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 3324/78 उन रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० नं० 186/79-80—यतः मुझ के०
के० वीर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 17 है, जो सीमाजीगुडा,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमद्व
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

12—256G/79

(1) श्री धीतेंद्र राज घर 6-3-1238 सीमाजीगुडा,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामनिवास कोटारी 6-3-927/ए- सीमाजीगुडा,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट और खुली जमीन नं० 17-बीस्टन 890 वर्ग गार्ड
सोमाजी गुडा, हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3350/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में ।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० नं० 187/79-80—यतः मुझे, के०
के० बी०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2, ब्लॉक नं० 43 है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और हमसे उपायुक्त अनुमूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैंरताबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का गन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किन्हीं आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रफी अहमद पारुकी प्लॉट नं० बी-43/एफ 2
पी० एम० नगर, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री बी० रमेश बाबू प्लॉट नं० बी-43/एफ 5
पी० एम० नगर, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2-पहली सप्ता पर, ब्लॉक नं० 43-पी० एस०
नगर, हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3387/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय कैंरताबाद में (नं० 10-3-444/128)
(पहली सप्ता पर)।

के० के० बी०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० 188/79-80--यतः मुझे के०
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० खुली जमीन है, जो सीमाजीगुडा हैदरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य धान्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः--

(1) श्रीमती अमीना बेगम हैदरी- 8-2-309/3 रास्ता नं०
14 बनजारा हिल्स हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) डाक्टर सीतगपामाला पानडूरनगा घर नं० 5-8-
57/7 स्टेशन रास्ता नामपली हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बीस्तेन 878.50 वर्ग मीटर सीमाजीगुडा
हैदराबाद में (नं० 6-3-903/1 सीमाजीगुडा हैदराबाद) में
है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3422/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
कैरताबाद।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० 189/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट नं० 7-वेस्ट है, जो पारडपली सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

- (1) 1. श्री टी० डी० भास्कर राऊ 764/6 पहल मताका बलाक -III रजनीनगर बेंगलूर-1
2. श्रीमती टी० डी० रुकुमल
3. श्री बी० नटराजन
4. श्री बी० श्रीदरन

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती आर० कस्तूरी पती ए० पी० रामाकृष्णा घर नं० 5194 रेजिमेंटल बाजार सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वहस्ताक्षर :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बीस्तेन 728 वर्ग याडें प्लॉट नं० 7 वेस्ट मारेड-पल्ली सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3021/78 उप रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3021/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० 191/79-80—यन.; मुझे, के० के०
वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० 3-4-497 है, जो बरकतपुरा हैदराबाद
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण से,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्री नारायण राऊ पिता जी० लछमय्या सम्पत्ति
अधिकारी है श्रीमती पी० कमलाबारी 14-2-332/एफ
गायानबाग, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री मती पी० एस० लक्ष्मी पती डाक्टर पी० एस०
कृष्णमूर्ति, 3-4-497 बरकतपुरा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पान
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

घर नं० 3-4-497 बरकतपुरा हैदराबाद वीस्तीर्ण 550
वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5494/78-उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में ।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० 191/79-80—यतः मुझे के० के०
वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिस की सं० जमीन 7761 वर्ग यार्ड है, जो बहादुरपुरा
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दुबौली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
य, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्रीमती सी० बीधेम्मा पती सी० रागवाराज और
दूसरे लोग, धेन्नाकल-राज नागरकरनूल महबूब-
नगर

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बीनजुसारिया सुपर पुड फरटीलैजर लिमिटेड
19-2-226 मीरआलम टैंक रास्ता हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्त :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बीस्तेन-7761 वर्ग यार्ड बहादुरपुरा हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1450/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय दुबौली
में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18-अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० 192/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सरखे नं० 241 है, जो बाधारम गाऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्रीमती कमरजमानी बेगम पत्नी डाक्टर सैयद असदुल्ला हुसैनी हैदराबाद 6-3-246/3 बनजारा हिल्स। (अन्तरक)

(2) 1. श्री वी० रामाकृष्णा राऊ 1-267 तारनाका सिकन्दराबाद
2. विश्वराज मदान काली गली सिकन्दराबाद
3. एन० श्रीनिवास मदान काली गली सिकन्दराबाद
4. एन० धेन्द्रासेकर महानकाली गली सिकन्दराबाद
5. श्रीमती ए० सरस्वती 12-10-136-सीतापल-मन्डी
6. श्रीमती पी० शनतम्मा, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदसम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जरायती जमीन सरखे नं० 241-नाधारम गाऊ ग्राम पंचायत हैदराबाद में है बीस्टेन 4.27 एकड़ है। रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 5652/78 है। रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 18 अगस्त 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 18 अगस्त 1979

सं० आर० ए० सी० 193/79-80—यन: मुझे के० के०
वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिस की सं० सरखे नं० 162 है, जो लालागुडा गाऊ में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) 1. श्री अजीत आई० पटेल 2. नीतीन आई० पटेल
3. अमर आई० पटेल घर नं० 3-6-326 बशीर
बाग हैदराबाद । (अन्तरक)

(2) 1. सर्व श्री अमरुथनाल सेठ 2. प्रभुदाम सेठ 3. जयन्त
कुमार सेठ 5-9-22/1/4 आदर्शनगर
4. सर्व अनुरागकुमार सेठ 5. बी० तुकाराम 6. पी०
रामा राऊ 7. पी० नारायण स्वामी 8. बी० कमलम्मा
6-1-279/10/1 सिकन्द्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जरायती जमीन 11096 वर्ग यार्ड उसके अंतराफ में दीवार
है सरखे नं० 162 लालागुडा राऊ रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
7271/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में है ।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 18 अगस्त 1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अगस्त 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 194/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० सरवे नं० 162 है, जो लालागुडा गऊ में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष प्रतियोगिता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) 1. अजीत आई०पटेल 2. नीतीन आई०पटेल 3. अमर आई० पटेल घर नं० 3-6-326 बशीरबाग हैदराबाद ।
(अन्तरक)

(2) 1. श्री अमृत लाल सेठ 2. प्रभुदास सेठ 3. जयन्ध कुमार सेठ 4. अतुल कुमार सेठ 5. बी० तुकाराम 6. पी० रामाराऊ 7. पी० नारायण स्वामी 8. बी० कमलम्मा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जाये करके पूर्वाभा सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाधेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अरायती जमीन 6500 वर्ग यार्ड अलाफ में दीवार है सरवे नं० 162-लालागुडा हैदराबाद ईस्ट में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7272/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में है

के० के० वीर,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

13-256GI/79

दिनांक 18 अगस्त 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 अगस्त 1979

निदेश सं० आर०ए०सी० नं० 195/79-80—यतः मुझे के०के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० जमीन नं० 177/9 177/12 है, जो 177/13, 177/18 अमीन नगर हैदराबाद वेस्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर में अतिरिक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा धकत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वै० वेंकटेश्वर राऊ 105/बी श्रीनगर कालोनी हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री वै० नामेश्वर राऊ 4-2-1071/ रामकोट हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्तों के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के भर्तों के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जरायती जमीन सरखे नं० 177/18, 177/9, 177/13, 177/12 अजीजनगर हैदराबाद वेस्ट में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2176/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में ।

के० के० वीर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 21 अगस्त 1979

मोहुर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I एस० आर० III/12-1978/870/78-79—अतः मुझे, कु० अंजनी ओजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० दुकान नं० 11 है तथा जो सिनेमा कोम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्टारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घन्टारक (घन्टरकों) और घन्टरिती (घन्टरितियों) के बीच ऐसे घन्टारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्टारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) डी० एन० एफ० युनाइटेड लि० 21-22, नरीन्द्र प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार सपरा पुत्र श्री कांशी राम सपरा 11/11, कालका जी एक्सटेंशन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इन्हें प्रयुक्त नब्बों और परों का, जो उक्त अधिनियम के अनुयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस अनुयाय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 11 (ग्राउंड फ्लोर) सिनेमा कोम्प्लेक्स बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली जिस का क्षेत्रफल 244.12 वर्ग फुट है।

कु० अंजनी ओजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 14 सितम्बर 1979

मोहर :

प्रकृष धार्डि० टी० एन० एस०—
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली 1

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1979

निर्देश सं० धार्डि० ए० सी० /एक्यु० I/एस० आर० III/
12-1978/872/78-79—अतः मुझे, कु० अंजनी ओझा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० प्लेट 305 है तथा जो सिनेमा कोम्प्लेक्स,
ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 21-22, नरिन्द्र
प्लेस, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. लै० करनल चरण सिंह पुत्र श्री बदलू राम 2. श्रीमती
शकुन्तला निवासी 17 चर्च रोड, देहली कैन्ट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां कराया हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

आफिस प्लैट नं० 305 (तीसरी मंजिल) सिनेमा
कोम्प्लेक्स बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल
791.4 वर्ग फुट है।

कु० अंजनी ओझा
सक्षम अधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 14 सितम्बर 1979

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

The 6th September 1979

New Delhi-110011, the 7th August 1979

No. A. 35017/1/79-Admn. II.—In continuation of this Office Notification No. A. 35017/1/73-Admn. II, dated 21st August, 1976, Shri V. Ramachandran, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Orissa, has been allowed to continue on deputation as Accounts Officer in the Office of Union Public Service Commission for a further period of one year with effect from 13-7-1979 or until further orders, whichever is earlier, on the existing terms and conditions.

The 31st August 1979

No. A.12019/2/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period mentioned against each or until further orders, whichever is earlier : —

S. No.	Name	Period
1.	Smt Sudha Bhargava	3-9-1979 to 30-11-1979
2.	Shri Chand Kiran	3-9-1979 to 30-11-1979.
3.	Shri J. N. S. Tyagi	29-8-1979 to 28-11-1979

S. BALACHANDRAN

Under Secy,

for Secy,

Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 7th September 1979

No. 98 RCT 13.—In supersession of this Commission's Notification of even number dated 22-8-1979, the Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 16th August, 1979 to 13th November, 1979 or until further orders whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA

Under Secy.

for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 6th September 1979

No. A-19036/2/79-Ad.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Harbans Singh, Inspector, Central Bureau of Investigation, CIU(E)I to officiate as Deputy Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, with effect from the forenoon of 6th August, 1979 and until further orders.

Q. L. GROVER

Administrative Officer (E)

Central Bureau of Investigation

DIRECTOR GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 5th September 1979

No. O.II.108/78-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. K. Vijaya Kumar, GDO, GD-II of R.T.C. 2 CRPF Avadi with effect from the afternoon of 27-3-1979 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the C.S.S. (Temporary Service Rules, 1965).

No. O.II-562/69-Estt.—Consequent on his retirement from Government service on superannuation pension, Shri Sydney Issac relinquished charge of the post of Assistant Commandant Group Centre, CRPF, Pallipuram on the afternoon of 31-7-79.

A. K. BANDYOPADHYAY

Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 5th September 1979

No. 11/30/79-Ad.I-17827.—The President is pleased to appoint Shri H. K. Ravinder, an officer belonging to the Goa, Administration, as Assistant Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Goa, Daman & Diu, at Panaji, by transfer on deputation basis, with effect from the forenoon of 10th August 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Ravinder will be at Panaji.

No. 10/20/79-Ad.I-17831.—In continuation of this office notification No. 12/5/74-RG (Ad.I) dated 28-3-1979, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Smt. Krishna Chowdhury as Linguist in the office of the Registrar General, India (Language Division) at Calcutta, upto 31 December 1979 or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier, on the terms and conditions as mentioned in paragraph 2 of this office Notification No. 12/5/74-RG(Ad.I) dated 28-3-1979.

2. The headquarters of Smt. Chowdhury will be at Calcutta.

The 6th September 1979

No. 11/88/79-Ad.I-17996.—The President is pleased to appoint Shri U. S. Shrivastuv, an officer belonging to the Union Territory Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations for the Union Territory of Chandigarh with effect from the forenoon of 21st August 1979, until further orders.

2. The temporary headquarter of Shri Shrivastuv will be at New Delhi, upto 30 September, 1979 and with effect from 1st October, 1979 his headquarter will be at Chandigarh.

P. PADMANABHA

Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 4th September 1979

No. 787/M.—On his superannuation retirement from Government service, Shri V. V. Bapat relinquished charge of the office of the Asstt. Controller of Stamps, Central Stamp Stores, Nasik Road, with effect from the afternoon of 31st August, 1979.

D. C. MUKHERJEA,

General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461005, the 25th August 1979

No. PF.7(36)/6371.—Further to this office notification No. 7(36)/1715 dated 26-5-79 Shri S. T. Shirsat is allowed to continue to officiate in the post of Fire Officer on an *ad-hoc* basis for the period upto 30-9-1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

S. R. PATHAK

General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 29th August 1979

No. Admn.I/0.0.289/5-12/79-80/115.—The Director of Audit hereby, appoints substantively, the following officiating Audit Officers of this office, against the permanent posts of Audit Officers, in the time scale of Rs. 840—1200, retrospectively with effect from the dates shown against them :—

Name	Date of substantive appointment as Audit Officers
1. Shri O.P. Gupta I . . .	1-11-76
2. Shri G. B. Lal . . .	1-11-76
3. Shri R. P. Saxena . . .	1-11-76
4. Shri Manmohan Singh . . .	1-12-76
5. Shri Ram Rakha Mal . . .	14-12-76
6. Shri H. K. L. Choudhury . . .	17-1-77
7. Shri K. C. Jain . . .	1-3-77
8. Shri B. P. Jain . . .	1-7-77
9. Shri M. L. Budhwar . . .	1-12-77
10. Shri R. P. Khurana . . .	1-3-78
11. Shri M. L. Verma . . .	1-5-78
12. Shri B. L. Rustogi . . .	1-5-78
13. Shri D. T. Butani . . .	1-9-78
14. Shri R. S. Rastogi . . .	1-11-78
15. Shri V. P. Batra . . .	1-11-78
16. Shri H. L. Nangia . . .	1-12-78
17. Shri R. P. Ghosh . . .	1-1-79
18. Shri S. S. Chadha . . .	1-1-79
19. Shri O. P. Mehdiratta . . .	1-2-79
20. Shri M. L. Goel . . .	1-3-79
21. Shri D. D. Guglani . . .	1-4-79
22. Shri Jit Singh . . .	1-7-79

Sd. ILLEGIBLE
Dy. Dir. (Admn).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, HARYANA

Chandigarh, the 22nd August 1979

No. Admn. I/72-Discip/DKA/79-80/2586.—The Deputy Accountant General (Admn.) Office of the Accountant General, Haryana, Chandigarh, in exercise of powers vested in him by Rule 19(ii) read with Rule 12 of C.C.S. (CCA) Rule, 1965, imposed the penalty of dismissal w.e.f. 18-9-71 on Shri Devinder Kumar Anand, quasi-permanent Auditor, under Rule 11 (ix) of Rules ibid. Vide office order No. Admn. I/25 dated 29-7-79 issued vide No. Admn. I/72-Discip/DKA/79-80/2181 dated 28-7-79. This shall ordinarily be a disqualification for further employment of the said Shri Devinder Kumar Anand under the Government.

Sd. ILLEGIBLE
Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 30th August 1979

No. Admn-I/FS/26/246.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to accept the resignation tendered by Shri Satya Deo Sharma, a permanent Section Officer and officiating Accounts Officer, from Government Service with effect from 25-4-1979 (FN) on his permanent absorption in the Bharat Heavy Electricals Limited.

D. C. SAHOO
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 30th August 1979

No. 40/79/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Assistant Manager (Prob) with effect from the dates shown against them :—

1. Shri Rajendra Kumar KARIA	12th July, 1978
2. Shri Surjit Kumar NAFRI	12th July, 1978
3. Shri Yogesh CHANDRA	29th Dec., 1978
4. Shri Sanjay Bhagwant MOHARIL	1st Jan., 1979
5. Shri Sumitabha DAS	2nd Jan., 1979
6. Shri S. ELANGO	3rd Jan., 1979
7. Shri Rajiv GUPTA	5th Jan., 1979
8. Shri Y. Venkataswara RAO	5th Jan., 1979
9. Shri Lalzarliana RENTHLEI	13th Jan., 1979
10. Shri S. PRADHAN	15th Jan., 1979
11. Shri K. K. SINHA	26th March, 1979
12. Shri Navneet Kumar VARSHNEY	28th March, 1979
13. Shri Pruthwiraj MISHRA	4th April, 1979
14. Shri V. K. PANDA	13th April, 1979
15. Shri Sudhir Kumar PANDE	25th April, 1979
16. Shri Debasish DATTA	27th May, 1979
17. Shri G. GNANAJAH	14th May, 1979
18. Shri Khandare SOMA	8th June, 1979

The 4th September 1979

No. 43/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri P. N. Sanyal, Offg. Officer Supervisor Subst. & Permt. A.S.O.) retired from service with effect from 31st July, 1979 (A/N).

The 7th Sept. 1979

No. 44/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. K. Dalal Offg. Manager Subst. & Permt. Dy. Manager retired from service w.e.f. 30-4-79 (A.N.).

V. K. MEHTA,
Asstt. Dir. General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(Establishment)

New Delhi, the 3rd September 1979

No. 6/1312/79-Admn(G)/6704.—The President is pleased to appoint Shri A. Ghosh, IAS (BH-1971) Joint Secretary in the Department of Irrigation, Bihar—Patna to officiate as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports with effect from the forenoon of the 17th August, 1979, until further orders.

C. VENKATARAMAN,
Chief Controller of Imports and Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 1st September 1979

No. A-1/1(1142).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri D. C. Roy Chowdhury, Superintendent in the office of D. I., Calcutta, to officiate

as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta, with effect from the forenoon of 7-8-79 *vice* Shri T. K. Chakraborty retired.

2. Shri Roy Chowdhury will be on probation for a period of 2 years from 7-8-79.

The 6th September 1979

No. A-1/1(1103).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri G. Nandiga as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) on regular basis in the office of the Director of Inspection (Met.) Burnpur, with effect from the forenoon of 7-8-79.

2. Shri Nandiga will be on probation for a period of 2 years from 7-8-79.

K. KISHORE,

Dy. Dir. (Admn.)

for Dir. Genl. of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF STEEL

Calcutta-20, the 4th September 1979

No. EI-12(16)/79(.).—Shri Dilip Kumar Dasgupta, Superintendent is hereby appointed on an *ad-hoc* basis to officiate in the post of Asstt. Iron & Steel Controller with effect from 4-9-79 (F.N.).

P. K. SARKAR

Iron & Steel Controller

Calcutta-20, the 7th July 1979

No. Admn. P.F. 492(.).—On attaining the age of superannuation Shri S. N. Banerji, Asstt. Iron & Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 30th June, 1979.

The 4th August 1979

No. Admn. P.F. (53)/53(.).—On attaining the age of superannuation Shri S. R. Barua Chowdhury, Asstt. Iron & Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st July, 1979.

The 10th September 1979

No. EI-12(7)/77(.).—On attaining the age of superannuation Shri S. R. Banerjee, Assistant Iron & Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st August, 1979.

S. K. BASU

Dy. Iron & Steel Controller

for Iron & Steel Controller

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 7th September 1979

No. F.11-9/79-A.1.—The Director of Archives, Govt. of India hereby appoints Shri Manzoor Ali, Permanent Accountant and a regular temporary Assistant Archivist (Gr. I) (O.R.) to officiate as Archivist (O.R.) on purely *ad-hoc* basis with effect from the date he assumes charge of the office of Archivist (O.R.) in the National Archives of India, Bhopal until further orders.

This *ad-hoc* appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion for the next higher grade.

Sd./- ILLEGIBLE

Administrative Officer,
National Archives of India,
for Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th September 1979

No. A.19019/1/79CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Man Singh, to the post of Homoeopathic Physician, in the Central Govt. Health Scheme, Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 31st July, 1979.

N. N. GHOSH

Dy. Director Admn.(CGHS)

New Delhi, the 10th September 1979

No. A.38014/8/78-Admn.II(I).—On attaining the age of superannuation Shri Satya Prakash, an officiating Section Officer in the Directorate General of Health Services, New Delhi retired from Govt. service on the 31st July, 1979.

S. L. KUTHIALA

Dy. Director Administration (O&M)

(STORES 1 SECTION)

New Delhi, the 7th September 1979

No. A.12026/8/78-SI(I).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. L. Sachdeva in the post of Accounts Officer, Govt., Medical Store Depot, Karnal on deputation terms with effect from the forenoon of 8-8-1979 and until further orders.

No. A.12026/8/78-SI(II).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. K. Chatterjee in the post of Accounts Officer, Govt., Medical Store Depot, Calcutta, on deputation terms with effect from the forenoon of 1-8-79 and until further orders.

P. K. GHAI

Officer on Special Duty (Stores)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay 400 001, the 6th September 1979

No. DPS/23/1/79/Est/23291.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Moothedath Venugopalan temporary Stenographer (SG.) of this Directorate to officiate as Asstt. Personnel Officer on an *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate with effect from June 22, 1979 (FN) to July 27, 1979 (AN) *vice* Shri C. V. Gopalakrishnan, Asstt. Personnel Officer granted leave.

B. G. KULKARNI

Assistant Personnel Officer

Madras-600 006, the 9th August 1979

No. MRPU/200(150)/79-Adm.—The Director, Purchase & Stores, Directorate of Purchase & Stores is pleased to appoint Shri P. V. Prabhakaran, Store-Keeper Reactor Research Centre Stores, Kalpakkam as Assistant Stores Officer in the same unit in an officiating capacity with effect from the forenoon of April 2, 1979 to the afternoon of May 4, 1979.

S. RANGACHARY

Purchase Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam 603 102, the 21st August 1979

No. MAPP/3(1321)/79-Adm.—On deputation from the Post and Telegraphs Audit Office Shri T. K. Krishnamachari, a permanent Section Officer (Audit) in the Office of the

Post and Telegraphs Audit Office is appointed as Assistant Accounts Officer in officiating capacity in this Project with effect from the afternoon of July 26, 1979 until further orders.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hydrabad-500 016, the 6th September 1979

No. AMD-1/1/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Girish Bhalha as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 18th August 1979 until further orders.

No. AMD-1/1/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Himadri Ghose as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5th September, 1979 until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 10th September 1979

No. 05045/79/5409.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, hereby appoints Shri Suresh Chintaman Thakur, Assistant Personnel Officer, Heavy Water Project (Baroda), in a substantive capacity, in the same post, with effect from January 1, 1979.

No. 05045/79/5410.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, hereby appoints Shri Kalamkanny Thomas Jose, Assistant Personnel Officer, Heavy Water Project (Kota), in a substantive capacity, in the same post, with effect from January 1, 1979.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

The 7th September 1979

No. A. 32014/3/79-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants in Aeronautical Communication Organisation to the grade of Asstt. Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the date and station indicated against each :—

S. No.	Name	Present Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri V. R. Anantharaman	ACS, Madras	ACS, Madras	20-7-79 (FN)
2.	Shri S. K. Rao	ACS, Madras	ACS, Madras	28-7-79 (FN)
3.	Shri Kulwant Singh	ACS, Jamshedpur	ACS, Bhubaneswar	30-7-79 (FN)

S. N. MOTWANI
Officer on Special Duty

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 4th September 1979

No. 11/79.—Shri B. B. Kansara, Superintendent of Central Excise, Group-B (at present under suspension) at Ahmedabad-II has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-7-79.

J. M. VERMA
Collector of Central Excise,
Baroda

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP (401504), the 9th August 1979

ORDER

No. TAPS/2/474/67.—Whereas Smt. Sarojini Sasidharan, Nurse, TAPS Hospital having been examined by the Medical Board on December 28, 1977, May 17, 1978, November 13, 1978 and on July 11, 1979 was found to be completely and permanently incapacitated for further service as a Nurse in the TAPS Hospital in consequence of her mental condition viz. Paranoid Schizophrenia;

AND WHEREAS her incapacity does not appear to that Medical Board to have been caused by irregular or intemperate habits;

NOW THEREFORE the undersigned hereby orders that the services of Smt. Sarojini Sasidharan shall stand terminated on the expiry of the period of one month from the date of communication of this order unless Smt. Sarojini Sasidharan desires to have her services terminated with effect from an earlier date. Further Smt. Sarojini Sasidharan may submit, if she so desires, within the period of one month, a request to be examined by a Medical Review Board supported by prima facie evidence that good ground exists for doing so and if she so prefers a request for examination by a Medical Review Board, she shall be liable to pay the fees prescribed under the rules. A copy of the report dated 11-7-1979 of the Medical Board is also enclosed.

K. P. RAO
Chief Superintendent

Smt. Sarojini Sasidharan,
Type II-J-1
TAPS Colony.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th September 1979

No. A. 38012/1/79-EC—The undermentioned two Asstt. Tech. Officers relinquished charge of office on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation on the date and at the station indicated against each :—

S. No.	Name & Desig.	Station of posting	Date of retirement
1.	Shri M. S. Adaikalam, Asstt. Tech. Officer	Aero Comm. Stn. Madras	31-7-79 (AN)
2.	Shri C. T. Rajan, Asstt. Tech. Officer	Aero Comm. Stn. Madras	31-7-79 (AN)

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 5th September 1979

No. A-19012/726/78-Adm.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Baldev Raj, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on purely temporary and ad-hoc basis in the scale

of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from 31st May 1978 (AN) until further orders.

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANIES AFFAIRS
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956
in the matter of M/s Shriro Pvt. Ltd.*

New Delhi, the 30th August 1979

No. Co. Lqn. 3228.—By an order dated the 3-1-78 of Hon'ble High Court of Delhi M/S Shriro Private Limited has been ordered to be wound up.

*Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956
in the matter of M/s Surrindra Stein Malt Ltd.*

New Delhi, the 30th August 1979

No. Co. Lqn. 5442.—By an order dated the 13-12-1977 of the Hon'ble High Court of Delhi M/S Surrindra Stein Malt Limited has been ordered to be wound up.

S. P. VASHISHTHA
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 31st August 1979

No. CIT-IV/Jur./79-80/2983.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 1-9-1979.

Distt. III-E(1), New Delhi.

No. JUR.-DLI/IV/79-80/2984.—In exercise of the Powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling in this behalf the Commissioner of Income-tax Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax mentioned in column 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax under said act in respect of such areas or of such persons or classes of person or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/circles mentioned in col. 2 of the said schedule :—

SCHEDULE

Range	Income-tax Distt./Circles.
1	2
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-III-E New Delhi.	Distt. III-E(1) New Delhi

This notification shall take effect from 1-9-1979.

RANBIR CHANDRA
Commissioner of Income-tax
Delhi-IV, New Delhi

New Delhi, the 1st September 1979

No. JUR/DLI/V/79-80/19470.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 123 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, mentioned in column 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in Col. 2 of the said Schedule :—

SCHEDULE

Range	Income tax Distt./Circle
1	2
1. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range -V-A, New Delhi.	All Wards/Circles in Distt. II, New Delhi.

This notification shall take effect from 1-9-1979.

K. R. RAGHAVAN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-V, New Delhi

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE - I
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/Dec-II(34)/78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. E—485, situated at Greater Kailash-II, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Sh. Om Prakash Gupta,
2. Sh. Kailash Chand
3. Sh. Chander Prakash,
4. Smt. Usha Devi,
5. Kum. Veena Rani,
6. Shashi Kanta,
7. Chinta Mani,
r/o K-48, Sarojni Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. B. L. Kapur,
2. Smt. Sarla Devi Kapur,
r/o E—317, Greater Kailash-II, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. E—485, G. K. II, New Delhi measuring 207 sq. metres more specifically described in the instrument of transfer registered on 22-12-78 bounded as under :—

East : S. Lane
West : Road
North : No. E—483
South : No. E—487

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 12-9-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE - I
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/12-78/895.—Whereas, I,
MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

E-467 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 30-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Prabh Dayal Khanna S/o Shri Vasuram Khanna Resident of House No. 1178, Kucha Kauladkhan near Kala Mahal, Daryaganj, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Madhu Aggarwal W/o S. Aggarwal, R/o H—16, Greenpark Extn. New Delhi & Shri Arun Kumar Mittal S/o Sh. Revati Parasad Mittal Mantola Mohalla, Paharganj, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land bearing No. E—467 measuring 227.6 Sq. yds. situated in the residential colony, Known as Greater Kailash-II, N. Delhi.

East : Plot No. E—465
West : Plot No. E—469
North : Service Lane
South : Road.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 12-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) DLF United Ltd.,
21-22, Narindra Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE - I
NEW DELHI

(2) 1. Smt. Nirupam Kaur Anand,
2. M/s Sohan Singh & Son,
karta Sohan Singh Anand,
N/3, South Ext., part-I, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 12th September 1979

No. IAC/Acq-I/SR-III/Dec-I(10)/78-79/839.—Whereas, I,
MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Mezzanine Store, Cinema Complex building situated at
Greater Kailash-II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
New Delhi on December 1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Mezzanine store, Cinema Complex Building situated in
G.K-II, N.Delhi more specifically described in the instrument
of transfer registered in the month of Dec. 1978.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 12-9-1979.

Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE - I
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR. III/12-78/911.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural Land situated at Village Satheri, Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sunita Devi Khandelwal w/o Sh. R. N. Khandelwal,
2. Shri Mohendra Nath Khandelwal s/o
Sh. Shreenath Khandelwal both resident of Prem
Niwas Apartment Road, Bombay-26. (Transferor)
- (2) Smt. Kumari Sachdeva w/o Sh. Sham Lal Sachdeva
F—273 Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 21 Bighas 17 Biswas situated at Village Satheri Tehsil Mehrauli, New Delhi. The property more fully described in the instrument of transfer.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 10-9-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE - III
CALCUTTA

Amritsar, the 25th July 1979

Ref. No. 465/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1A situated at Ritchie Road, Cal. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 16-12-78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C. of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Supriti Mustafi,
1A, Ritchie Road, Calcutta. (Transferor)
- (2) Shrimati Bhakti Sinha,
1, Panchanan Gosh Lane, Cal-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land containing an area of 3 cottahs 0 chittacks 12 sq. ft. being situated at 1A, Ritchie Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date : 11-4-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE - III
CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1979

Ref. No. 466/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1A situated at Ritchie Road, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-12-78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Supriti Mustafi,
1A, Ritchie Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Seababrata Sircar,
57/12, Ballygunge Circular Road,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land containing an area of 3 cottahs 12 chittacks 41 sq. ft. being situated at 1A, Ritchie Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Date : 11-4-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 17th May 1979

Ref. No. 472/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 400, Khatian 115 situated at Mouza - Bansdrani, P. S. Jadavpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 13-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Badal Sengupta
184, Prince Anwar Shah Road,
Calcutta-700068.

(Transferor)

(2) Shri Biplab Kr. Chakraborty & Others
4A, Tinkari Ghosh Lane,
Calcutta-700026.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 10 cottaha of land with two storied building thereon situated at Mouza - Bansdrani, Dag No. 400, Khatin No. 115, P. S. Jadavpur, 24 - Parganas.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 17-5-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Subash Chandra Ghose.
Shri Sushil Kumar Ghose.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar Dhanuka,
Shri Devaki Nandan Dhanuka.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE - IV
CALCUTTA

Calcutta, the 29th May 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AC-26/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P—223 situated at C.I.T. Road, Calcutta-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 4-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4 cottahs 5 chittaks and 26 sft. together with building situated at P-223, C.I.T. Road, Calcutta-54, more particularly as per deed No. 5565 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 29-5-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE - III
CALCUTTA

Calcutta, the 19th May 1979

Ref. No. 473/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding P—39 situated at C.I.T. Scheme No. LXII, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 4-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Janaki Devi
60/2/6, Lake Road, Calcutta. (Transferor)
- (2) M/s. Bridge View Co-operative Housing Society Ltd.,
12/1, Ramkrishna Ghosh Road,
Calcutta-50. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land containing an area of 4 cottahs 8 chittacks 25 sq. ft. situated at plot No. 38 of C.I.T. Scheme LXII, Mouza : Dhakuria, P. S. Jadavpur.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 19th May 1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bikramjit Roy Chowdhury.

(Transferor)

(2) Smt. Deljit Kaur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE - IV
CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AC-30/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

156/2-B, situated at B.T. Road P. S. Baranagar, Calcutta-35. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 95.22 sq. mt. together with building situated at 156/2-B, B.T. Road, Calcutta-35, more particularly as per deed no. 5582 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1979.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Bikramjit Chowdhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sardar Bachan Singh Grewal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE - IV
CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1979

Ref. No. AC-29/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 156/2-B situated at B.T. Road, P. S. Baranagar, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Calcutta on 5-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 95.22 sq. metre together with building thereon situated at 156/2-B, B.T. Road, Calcutta-35, more particularly as per deed No. 5583 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 15-6-1979.

Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE - III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 8th August 1979

Ref. No. 487/Acq. R-III/79/79-80/Cal —Whereas, I, VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

95 situated at Southern Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Sri Biswanath Bhar
95, Southern Avenue,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 8 B on 8th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-8-1979.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE - III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta, the 8th August 1979

Ref. No. 488/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

95 situated at Southern Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta. (Transferor)
- (2) Sri Suhas Sen Gupta,
95, Southern Avenue,
Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 5 A on 5th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 8-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Nirmalendu Sen Gupta,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE - III
CALCUTTA

Calcutta, the 8th August 1979

Ref. No. 489/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 95 situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 7 E on 7th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date : 8-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri A. C. Guha
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta-16, the 8th August 1979

Ref. No. 490/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 95, situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 4B on 4th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95,
Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bithika Kundu,
20/5, Raja Manindra Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th August 1979

Ref. No. 491/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. 95, situated at Southern Avenue, Calcutta
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 5-12-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more-
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said
Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

16—256GI/79

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 7B on 7th floor situated at 95,
Southern Avenue, Calcutta.VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.Date : 8-8-1979,
Seal :

FORM ITNS

(1) Luke Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sudhir Kr. Paul,
P. No. 684, 'O' Block,
Calcutta-53.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th August 1979

Ref. No. 492/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 95, situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 4A on 4th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-8-1979.
Seal :

FORM ITNS—(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Sandhya Chakraborty
20/6, Raja Manindra Road, Calcutta.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA**

Calcutta-16, the 8th August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette**EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.**Ref. No. 493/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. 95, situated at Southern Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at Calcutta on
5-12-1978for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—**THE SCHEDULE**All that entire flat No. 3C on 3rd floor situated at 95,
Southern Avenue, Calcutta.**VASKAR SEN,**
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.Date : 8-8-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri P. K. Basu & Sri S. N. Basu,
2/1, Shyama Charan De Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16, the 8th August 1979

Ref. No. 494/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 95, situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 5C on 5th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-8-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Nirmal Kr. Ghosh
1, Jhamapukur Lane, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt Brijmoni Devi
19, Hanspukur Lane, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 476/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 12-12-1978

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957)

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided share in the building containing an area
5 cottahs 9 chittacks 20 sq. ft. situated at 1, Jhamapukur
Lane, Calcutta, as per deed No. I-5706 of 1978.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 12-7-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Nirmal Kr. Ghosh
1, Jhamapukur Lane, Calcutta.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Ramkali Devi,
109, O. Road,
Allahabad,
U.P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th July 1979

Ref. No. 477/Acq R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 12-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided share in the building containing an area
5 cottaks 9 Chittacks 20 sq. ft. situated at 1, Jhamapukur
Lane, Calcutta as per deed No. I 5705 of 1978.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 12-7-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Nirmal Kr. Ghosh
1, Jhamapukur Lane, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lakshmi Devi Shaw, 72/1, Girish Park North,
Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. 478/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Calcutta on 12-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

All that undivided share in the land of an area 3 cottahs
11 chittacks 18 sq. ft. situated at 1, Jhamapukur Lane, Cal-
cutta, as per deed No. I-5704 of 1978.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 12-7-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Nirmal Kr. Ghosh
1, Jhamapukur Lane, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamala Devi 72/1, Girish Park, North, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th July 1979

Ref. No. 479/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share in the building containing an area of 6 cottahs 4 chittacks situated at 1, Jhamapukur Lane, Calcutta, as per deed No. I-5703 of 1978.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 12-7-1979.
Seal :

FORM ITNS—(1) Shri Nirmal Kr. Ghosh
1, Jhamapukur Lane, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Parbati Devi
72/1, Girish Park North, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th July 1979

Ref. No. 480/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. 1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 12-12-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

17—256GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act'
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share in the building containing an
area of 6 cottahs 4 chittacks situated at 1, Jhamapukur Lane,
Calcutta, as per deed No. I-5702 of 1978.VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 12-12-1978

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA**

Calcutta-16, the 12th July 1979

Ref. No. 481/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Nirmal Kr. Ghosh
1, Jhamapukur Lane, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Shri Rajkumar Kesharwani, Bijoy Kr. Kesharwani, Ashoke Kr. Kesharwani & Pradip Kr. Kesharwani all of 72/1, Girish Park North, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share in the demarcated piece and parcel of land of area 3 cottahs 11 chittacks 18 sq. ft. being the south-western portion of 1, Jhamapukur Lane, Calcutta, as per deed No. I-5707 of 1978.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 12-7-1979.
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th July 1979

Ref. No. 482/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. 51 N situated at Garcha Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 5-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Salma Begum, Meherunnesa, Md. Ashraf Ali, Sk. Nurul Huda, Sk. Badrudyoja, Saw Katara Begum, Kawsar Alam, Asgari Begum, Nanni Begum & Munni Begum—All of 50 B, Dilkhusa Street, Calcutta-17.

(Transferor)

(2) Smt. Kalyani Sen, 51 N, Garcha Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 3 cottahs 8 chittacks and structures thereon at premises No. 51 N, Garcha Road, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 18-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. K. Sarkar & Co. (P) Ltd.,
P-165, Block-G, New Alipore, Calcutta-53

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Delight Co-operative Housing Society Ltd., 198/1,
Block-G, New Alipore, Calcutta-53.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta-16, the 25th July 1979

Ref. No. AC-14/R-II/Cal/1979-80.—Whereas, I,
S. C. YADAV,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

No. 23A/440 situated at Diamond Harbour Road, New
Alipore, Calcutta-53
(and more fully described in the schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Distt Registrar, 24-Parganas, Alipore on 12-12-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-
ble property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4.75 cottahs being premises No. 23A/
440, Diamond Harbour Rd., P. S. New Alipore, in Block-K,
Calcutta.

S. C. YADAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-6.

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Bala Jute Mfg. Co. Ltd., 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Katson's Electrical (P) Ltd., 23/A, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta-16, the 25th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-15/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Mouza—Chakmir, P.S. Maheshtola (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar on 9-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3.99 decimals under Mouza—Chakmir, P. S. Maheshtola, Dt. 24-Parganas, being Khatian No. 142 and 11 others, Dag No. 142 and 13 others.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
34, Raft Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16

Date : 25-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Birla Jute Mfg. Co. Ltd., 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Marson's Electricals Pvt. Ltd., 4, Chandni Chawh Street, Calcutta-72.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 25th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AC-16/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I. S. C. YADAV

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Mouza—Chakmir P. S. Maheshtola (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar on 9-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4.97 decimals under Mouza—Chakmir, P.S. Maheshtola, Dt. 24-Paraganas, being Khatian No. 232 and 10 others, Dag No. 261 and 20 others.

S. C. YADAV,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 25-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Birla Jute Mfg. Co. Ltd., 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Venus Construction (P) Ltd., 4, Chandney Chawk Street, Calcutta-72.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 25th July 1979

Ref. No. AC-17/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza—Chakmir, P. S. Maheshtola (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar on 9-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3.90 decimals under Mouza—Chakmir, P.S. Maheshtola, Dt. 24-Parganas, being Khatian No. 321 and 7 others, Dag No. 167 and 10 others.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 25-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

2) Smt. Anupama Rakshit.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th July 1979

Ref. No. AC-46/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21/1, situated at Prince Buktia Shah Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 21-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 6 chittaks situated at 21/1, Prince Buktia Shah Road, P. S. Tollygunge, Calcutta, more particularly as per deed No. 6918 of 1973.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 30-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Debabrata Roy Chowdhury

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th July 1979

Ref. No. AC-47/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21/1, situated at Prince Buktia Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipore on 28-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
18—256GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 7 chittaks situated at 21/1, Prince Buktia Shah Road, P. S. Tollygunge, Calcutta more particularly as per deed No. 7130 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 30-7-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) M/s. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Kamala Devi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING-ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 30th July 1979

Ref. No. AC-44/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21/1 situated at Prince Buktia Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 21-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 13 chittaks 37 sft situated at Mousa Kankulia, J. L. No. 40, P. S. Tollygunge, District : 24-Parganas being premises No. 21/1, Prince Buktia Shah Road, more particularly as per deed No. 6916 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016,

Date : 30-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kusum Jaju, Shri Rajendra Burman
(Transferor)(2) Smt. Laxmi Devi Agarwala, Shri Ashok Agarwala.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 31st July 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AC-51/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55 situated at Sarat Banerjee Road, P. S. Tollygunge, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6 cottahs 9 chittaks 34 sft with building thereon situated at 55, Dr. Sarat Banerjee Road, P. S. Tollygunge, Calcutta, more particularly as per deed No. 5740 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kusum Jaju, Shri Rajendra Burman; Punit Burman, Shri Luv Burman, Shri Kush Burman and Smt. Sabita Burman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 31st July 1979

Ref. No. AC-50/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 55 situated at Dr. Sarat Banerjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 13-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Phasharam Pareek, Shri Tolaram Pareek & Shri Khemraj Pareek.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6 cottahs 9 chittaks 20 sft with building thereon situated at 55, Dr. Sarat Banerjee Road, P. S. Tollygunge, Calcutta under C.I.T. Scheme No. XLVII, more particularly as per deed No. 5739 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
IAC Acquisition Range-IV, Calcutta
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, 54, Rafi Ahmed
Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Tejendra Kumar Sarkar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 31st July 1979

Ref. No. AC-48/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21/1, situated at Prince Buktia Shah Road, Calcutta-33, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 21-12-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 cottah 14 chittaks situated at 21/1, Prince Buktia Shah, Road, P. S. Tollygunge, Calcutta-33, more particularly as per deed No. 6919 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range IV, Calcutta

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Sudhir Chandra Mitter, 19, Camac Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Khaitan Savings (P) Ltd., 46C, Jawaharlal Nehru Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) 1. M/s. Khaitan Fridge Pvt. Ltd.
2. M/s. Auto Services.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 4th August 1979

Ref. No. 486/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22, situated at Debendralal Khan Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore Sadar on 1-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that two storied building structures containing an area of 28 cottahs 4 chittacks 20 sq. ft. of land situated at premises No. 22, Debendralal Khan Road, Calcutta.

VASKAR SEN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai
Road, Calcutta-16.

Date : 4-8-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 6th August 1979

Ref. No. AC-22/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. C. YADAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8 situated at Girish Chandra Ghosh Road, P S Dum Dum, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipore on 9-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Ajit Kumar Mitter
70. Ballygunj Gardens, Calcutta.

(Transferor)

- (2) M/s. Coalite Chemicals Private Limited, 2, Garstin Place, Calcutta.

(Transferee)

- (3) Vendor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 8, Girish Chandra Ghose, Road, Mouza Kalidaha, P.S. Dum Dum, Dist. 24-Parganas.

S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prokash Chandra Saha Block No. 6, Barrack-pore, 24-Parganas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Debi Jaiswal, 8/1, Kirtibash Mukherjee Road, Calcutta-67.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta, the 9th August 1979

Ref. No. AC-24/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. C. YADAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13A & 13H situated at Ariff Road, Mouza Ultadanga, P.S. Manikotla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 18-12-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5-cottahs, 15-chittaks & 38-sq. ft. at 13A & 13B, Ariff Road, Mouza Ultadanga, P.S. Manikotla.

S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta-16.

Date : 9-8-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nibaran Chandra Saha Block No. 6, Barrack-pore, 24-Parganas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sabitri Debi Jaiswal (Shaw) No. 1, Marquis Lane, Calcutta-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-23/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. C. YADAV

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13A/23 situated at Ariff Road, Mouza Ultadanga, P.S. Maniktola

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Registrar of Assurance, Calcutta on 18-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 6-cottahs, 0-chittack & 1-sq. foot at 13A/23, Ariff Road, Mouza Ultadanga, P. S. Maniktola.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19-256GI/79

S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Armed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 9-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Mahamaya Devi Alias Sen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gita Rani Hazra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1979

Ref. No. AC-52/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 163/1, situated at N.S. Road, Bankra, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 8-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 9 cottahs 3 chittaks 35 sft. situated at 163/1, N. S. Road, Bankra, District Howrah, more particularly as per deed No. 1847 of 1978.

S. K. DASGUPTA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th July 1979

Ref. No. RAC No. 137/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-1-920, 920/A, 9201E Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sri Aban H. Rustomjee,
3-C, Queens Court, 16-Montieth Road,
Egmore, Madras.
2. Cusrow-N. Bharucha,
R/o Bombay.
3. Farokh N. Bharucha, 12-B, Green Park,
Salisbury Park, Pune-411002.

(Transferor)

- (2) Sri D. Seetharamaiah,
Sri D. Venkata Rao,
H. No. 4-1-920 at Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building and outhouse on area of 883 Sq. Yds. bearing M. No. 4-1-920, 4-1-920/A, and 4-1-920/E, in Dinabad Estate, Tilak Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5257/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 28-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th July 1979

Ref. No. RAC. No. 138/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-700/A,

situated at Road No. 12 at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sri Abdullah Bin Mohammad,
s/o Omkar Nawar Jung,
2. Awad Bin Mohammed,
3. Smt. Sultan-Un-Nissa, Begum,
4. Smt. Shamsheer-un-nissa, Begum,
5. Smt. Sardar-un-nissa Begum,
6. Vikar-un-nissa Begum,
7. Mohasin Bin Mohd.,
8. Omer Bin Mohammed,
all residing at H. No. 10-2-6, A.C. Guards,
Hyderabad.

(Transferors)

- (2) Smt. Savita Krishna, w/o
Sri P. V. Krishna Reddy,
H. No. 3-6-166/1 at Hyderguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 2, M. No. 8-2-700/A, situated at Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad, consisting of 1045 Sq. Mts. registered vide Document No. 3381/78 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 28-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th July 1979

Ref. No. RAC. No. 139/79-80. —Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-1-1062, 1063 situated at Boggulkunta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri B. Sudhir Kumar,
2. Sri B. Dilip Kumar,
both residing at H. No. 4-1-1062, 1063
at Boggulkunta, Hyderabad.

(Transferors)

- (2) 1. Sri Dr. Nandan Singh,
2. Dr. Vijaya Nandan Singh,
both residing at H. No. 4-1-897 at Tilak Road,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 4-1-1062 and 4-1-1063, situated at Boggulkunta, Hyderabad, total area 315 Sq. Yds. registered vide Document No. 5357/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 28-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd August 1979

Ref. No. RAC. No. 140/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-9-22/42/3, situated at Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Mrs. Indira Devi, w/o
Sri V. Rajeshwar Rao,
H. No. 8-2-350/5-A Banjara Hills,
Hyderabad,
her G.P.A. Sri V. Rajeshwar Rao.

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Li Liang Ching Ying,
2. Mr. Li Chi Hon,
3. Mr. Li Chi Hao,
4. Mr. Li Chi Chin,
all residing at H. No. 5-9-22/42/3
Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 5-9-22/43 ground floor, admeasuring 813.73 Sq. feet situated at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5379/78 registered in the office of the Joint-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th July 1979

Ref. No. RAC. No. 141/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 4-1-938/R-14 & 15, situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Krishna Construction Co.,
5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s Sreenivas & Prasad,
H. No. 4-1-938/R-14, & 15
at 2nd floor at Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Hall M. No. 4-1-938/R-14 and 15 on 2nd floor, situated at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5264/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Vidyasagar Rao,
C.P.A. Sri V. Rajeshwar Rao,
H. No. 8-2-350/5-A at Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th July 1979

Ref. No. RAC. No. 142/79-80.—Whereas J. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed-Rs. 25,000/- and bearing No.

5-9-22/42/7,

situated at Adarshnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) M/s Deesein, Pvt. Ltd.,
H. No. 5-9-22/42/7 Adarshnagar,
Hyderabad
(Head office at New Delhi).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing M. No. 5-9-22/42/7 on 2nd floor and ground floor grage, situated at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Document. No. 5376/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-8-1979
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th July 1979

Ref. No. RAC. No. 143/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 5-9-22/42/8, situated at Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—256GI79

(1) Sri Maheshkumar Rao, s/o V. Rajeswar Rao, H. No. 8-2-350/5-A at Banjara Hills, Hyderabad..

(Transferor)

(2) Mrs. Bhanumathi Vasanji Kotecha, w/o V. H. Kotecha, H. No. 5-9-22/42/8 at Adrashnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5-9-22/42/8 on Second floor, situated at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 5377/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 144/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 5-9-22/42/1, situated at Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Hyderabad on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Ashok Kumar Rao, s/o V. Rajeswar Rao,
H. No. 8-2-350/5/A Banjara Hills,
Hyderabad
his G.P.A. Sri V. Rajeswar Rao, (Transferor)
- (2) Sri Anand Mohanlal s/o Sri Sree Mohanlal,
H. No. 23-1-74 at Charminar East,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 5-9-22/42/1, situated at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 5605/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 145/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 218 & 219, situated at Chandralok Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Swastik Construction Co.,
at 111-Sarojini Devi Road,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. Venkateswarsimha Raju, 1-1-300/1/A/1 at
Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office room No. 218 and 219 in 2nd floor of Chandralok Complex, situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 5598/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik Construction Co., at 111-S.D. Road,
Secunderabad.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. B. Buchi Rajeshwari,
1-10-1/15 at Ashoknagar,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 146/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

220 & 221, situated at Chandralok Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Hyderabad on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office room Nos. 220 and 221 on 2nd floor of Chandralok Complex, situated at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 5599/78 in the Joint Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-8-1979
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 147/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 7-1-56, situated at Amecrpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sri 1. I. Ranga Rao,
2. I. Venkateswara Rao,
3. I. Satyanarayana Rao,
all residing at H No. 2-2-1105/9/3 at New Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) The Arora Pharmaceutical Company,
H. No. 7-1-55/1, at Amecrpet,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M No. 7-1-56, situated at Amecrpet, Hyderabad, plinth area 2093 Sq. Mets. registered vide Document No. 3233/78 in the office of the Registrar, Khairbad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 148/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-215/27, situated at P. Ghast, Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Secunderabad on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Smt. M. Gangamma, w/o Sri M. Narsimha,
2. M. Balraj,
3. M. Prakash Rao,
4. M. Govind Murali,
5. M. Venkateshwar Rao,
6. M. Harikrishna,
7. M. Hanumantha Rao,
8. M. Shivashankar,
all residing at H. No. 1-8-215/26 at
Lal Bahadur Nagar,
(Prenderghast Road, Secunderabad).
(Transferor)
- (2) Sri Annarapu Veeriah,
Cloth Merchant,
at Tobacco Bazar, Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st floor portion house No. 1-8-215/27 situated at Lal Bahadur Nagar, (Prengast Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 2998/78 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1979

Ref. No. RAC. No. 149/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property No. 2039, Sector 21-C, Chandigarh situated Shop No. 7, situated at Lalitnagar Colony, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Secunderabad on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. P. Saraswathi,
H. No. 1-8-215/14 at Lalababadur Bagh,
Penderghast Road, Secunderabad.
(Transferor)

(2) 1. S/Sri Ragi Radhammu,
2. Ragi Lakshminarsamma,
3. R. Madhavachari,
H. No. 8-1-112 at Shivajinagar,
Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops in Plot No. 7, situated at Lalithnagar Colony, Maredpally, Secunderabad, registered vide Doc. No. 3110/78 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri M. Narayana Murthy,
H. No. 8-2-623/A Banjara Hills, Hyderabad,
Road No. 10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Mrs. Anees Shahid Lateef, w/o
Syed Shahid Lateef,
H. No. 5-9-7/1 at Roshan Manzil,
Saifabd, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 150/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-623 at situated at Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House M. No. 8-2-623 at Banjara Hills, Road No. 10, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3340/78 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad.

K. K. VEER

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) (1) M/s. Uma Karan and Tej Karan, Represented by Sei Tej Karan,
 (2) Sri Raja Ram Karan,
 residing at H. No. 8-2-547 Banjara Hills,
 Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

- (2) Sri Rameshwar Prasad Modi,
 H. No. 76/2 at Ramgopalpet, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 151/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 102 situated at "Kala Mansion" S.D. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Secunderabad on December-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—256G1/79

THE SCHEDULE

Flat in Block No. I flat No. 102 on ground floor, 69.60 sq. Mts. situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 3042/78 in the Sub-Registrar office Secunderabad.

K. K. VEER
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Shaw Builders, H. No. 22-7-269/3 at Dewan Devdi, Hyderabad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dervesh Ali Razvi, 22-7-268/2 at Dewan Devdi, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC No. 152/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 48 situated at Dewan Dewdi, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, on December 78 for an apparent consideration.

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shrip No. 48 in Shaw Building Complex, Dewan Devdi, Hyderabad, registered vide Document No. 3477/78 in the Sub-Registrar Office Abampura.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-8-1979

Seal :

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1979

Ref. No. RAC. No. 153/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 13 is situated at Prasad Theatre Guntakal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntakal on December-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Prasad Productions Pvt. Ltd., No. 2 at Saranagani, Street, Tyagarayanagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) M/s. T. Ratnaiah Setty & Sons, Guntakal, Ananthapur-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Prasad" Theatre in ward No. 13 situated at Guntakal, Ananthapur-Dist. registered vide Doc. No. 988/78 in the office of the Sub-Registrar Guntakal.

K. K. VEER

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref No. RAC. No. 165/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 5 Mulgs 16/706/5 to 706/9 situated at Nagulamitta, Nellore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Nellore on December-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. M. Mahalakshamma, W/o M. Pedda Subbareddy,
(2) Smt. Sakuntalamma, both residing at Kapu Street, Nellore.

(Transferor)

- (2) Shri Varada Alwar S/o Venkateshiah, businessman, China Bazar, Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 Mulgies bearing Door Nos. 16/706/5, 706/6, 706/7, 706/8, and 706/9 situated at Nagulamitta Road, Nellore, registered vide Document No. 3627/78 in the office of the Sub-Registrar Nellore,

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Kodimala Buchiraja Basaviah S/o Rajasekhara,
H. No. 8-10-77, Pinnavari Street, Warangal.

(Transferor)

(2) Smt. Rajubai Baheti W/o Radhakishan Bahati,
Pinnavari Street, Warangal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 166/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12/317 (12-1-150) situated at Street, Pinawai Warangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on December-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of hou. M. No. 12/317 (New Nos. 12-1-150) situated at Pinnavari Street, Warangal, registered vide Doc. No. 4437/78 in the office of the Sub-Registrar Warangal.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979

Seal :

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 167/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the 'income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3-6-213 situated at Himayatnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Qamarunnisa Begum,
H. No. 5-9-87 at Ali Manzil, Chapal Road,
Hyderabad,

(Transferor)

(2) Shri G. Vittal Reddy,
H. No. 3-2-783/1 at Rhemathagh, Chappal Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 3-6-213 at Himayatnagar, Hyderabad 721 sq. yds., registered vide Document No. 5485/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 168/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3-6-213 at situated at Himayatnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Mrs. Qmarunnisa Begum,
H. No. 5-9-87 at Ali Manzil, Chapal Road,
Hyderabad. (Transferor)
- (2) (1) S/Shri C. V. Ramabhadra Rao,
(2) C. Raja,
(3) C. Poornachandra Rao,
All 3 sons of Sri Satyanarayana,
H. No. 3-6-213 at Himayatnagar, Hyderabad,
(Boy's town I.T.C. Jahanuma, Hyderabad). (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises M. No. 3-6-213 at Himayatnagar, Hyderabad, ad-measuring 945 sq. yds. registered vide Doc. No. 5486/78 in the office of the Joint Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 169/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3-6-213 situated at Himayatnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Qamarunnisa Begum,
H. No. 5-9-87 at Ali Manzil, Chapal Road,
Hyderabad.
(Transferor)
- (2) (1) S/Shri G. Venkat Reddy S/o G. N. Reddy
R/o Timmapur,
(2) K. Vijayanath Reddy,
R/o Telakantiguda, Village Nalgondas,
(3) S. Kasi Reddy,
R/o Saireddyguda, Village, Ibrahimpatam-Dist.
(4) P. Jangareddy S/o Sing Reddy, China-Tondla,
Tq, Ibrahimpatam, Tq, Rangareddy-Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, **whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 568 sq. yds. in the premises No. 3-6-213 at Himayatnagar, Hyderabad, registered vid, Document No. 5487/79 in the Joint Sub-Registrar office Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 170/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 11-6-206 to 209 situated at Public Garden Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—256GI/79

- (1) Miss. Najma Begum, D/o A. R. Khan,
2. Miss. Nazneen Begum, S/o A. R. Khan,
both residing at H. No. 11-5-400 Red Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Razia Sultana, W/o Nawab Mohd. Iqbal Ali Khan, H. No. 11-6-206 to 209 at Public Garden Road, Hyderabad. (Muslim Lodge, King Koti, Road, Hyderabad).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 11-6-206, 207, 208, 209 with its 1st and 2nd floors bearing M. No. 11-6-209/A and 209/B situated at Public Gardens's road, Hyderabad, registered vide Document No. 3337/78 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-8-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 171/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Open land is situated at 1-2-430 Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri Chekuri Raghavendra Rao, and Ch. Seetha-mahalaxmi 16-11-1/4 at Malakpet, Hyderabad, by G.P.A.
2. Sri Chintapalli, Achiah, H. No. 5-9-47/5 at Basheerbagh Hyderabad, (Transferor)

- (2) M/s. Sagar Constructions, Represented by Sri Kumundlal Pitti, F. C. No. 14 at Sagar View Building, Domalguda, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

50% of land with in M. No. 1-2-430, admeasuring 250 sq. yds. at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5423/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad. the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 172/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land is situated at 1-2-430 Domalguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Ch. Raghavender Rao,
H. No. 16-11-1/4 at Malakpet Hyderabad,
G.P.A. Sri Ch. Achaiah,
H. No. 5-9-47/5 at Basheerbagh, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) M/s Sagar Constructions, Represented by its partner,
(2) Sri Mukundlal Pitti S/o late Srinivas Pitti,
FC—14, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

50% of land in premises No. 1-2-430 admeasuring 406 Sq. yds., situated at Gaganmahal Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 5390/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 173/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot No. situated at 1-1-230/16/1 Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. G. Jagdamba W/o Sri G. S. Bhashyam,
H. No. 1-1-230/12 at Viveknagar, Chikkadpally,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. B. Giraja Tukaram W/o Sri Tukaram,
H. No. 6-1-279/10/1 at Padmaranagar, H.
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land No. 1-1-230/16/1 at Chikkadpally, Hyderabad, admeasuring 676 sq. yds., registered vide Doc. No. 5467/78 in the Office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Chintapally, Pushpavathamma, W/o Sri Ch Achaiah, H. No. 5-9-47/5 at Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Sagar Constructions, its partner Sri Mukundlal Pitti, 14-F.C. Sagarview Building Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 174/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1-2-524 situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1-2-524 at Domalguda, Gaganmahal, Hyderabad, admeasuring 1380 sq. yds. registered vide Doc. No. 5520/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 175/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3-6-420/A situated at Himayatnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri I. S. Sharma, S/o Sri Lakshmana Sharma,
(Income-tax Practitioner, of Nizamabad)
H. No. 3-6-420/B at Himayatnagar, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri M. Babu Rao, S/o late M. Balaiah,
H. No. 11-2-842/2/D at Seetharam Bagh, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises bearing M. No. 3-6-420/A admeasuring 346 sq. yds. situated at Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 5579/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1979

Ref. No. RAC. No. 176/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 5-9-22/42/3 situated at Adarshanagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Sri Sureshkumar Rao, S/o V. Rajeswar Rao, H. No. 8-2-350/5A at Banjara Hills, Hyderabad, Represented by his G.P.A. Sri V. Rajeswar Rao.
(Transferor)
- (2) Smt. Sunayana Devi, W/o Dr. Lajpat Rai, H. No. 22-4-567 at Shahdila lane, In side Yakut-pura, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2nd floor flat No. 5-9-22/42/3 at Adarshanagar, Hyderabad registered vide Document No. 5270/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohd. Mukrom Ali & Others, 6-3-1094 at Somajiguda Hyderabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

Ref No. RAC. No. 177/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open site of in 6-3-1094 Somajiguda, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on December, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Sri Kishen chand Mehra, H.No. 5/ 6 Brahmanand-nagar, New Malakpet, Hyderabad.

(2) Tilakraj Dhavan, 20-1-314, Koka-ki-Tatti, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site of 642 Sq. Yds. in premises No. 6-3-1094 at Somajiguda Hyderabad, registered vide Doc. No. 5286/78 in the office of the Joint-Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri P. Sudershan Reddy, 2, Sri P. Manmohan Reddy,
H.No. 5-4-513 at Kattalmandi, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Shri The Youngmen's Ismailia Educational Board,
Represented by its President Sri Sadruddin, Ho.No.
5-8-503 at Aga Khan Estate, Chiragali lane, Hydrabad.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

Ref No. RAC. No. 178/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER,
5-4-513

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Kattalmandi Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad, on December, 78

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

23 -256GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in the
Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 5-4-513, admeasuring 1320 Sq. Yds at Old
Kattalmandi, Hyderabad, registered vide Document No. 5298/
78 in the office of the Joint Sub Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, 17th August 1979

Ref No. RAC. No. 179/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-7-193, 194 & 195, Esamia Bazar Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on December, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri T. Ramakrishna, S/o Tatipally Vishwanatham, R/o Chandampeta-Tq, Medak-Dist.
(Transferor)
- (2) Smt. Ambala India, W/o Sri A. Satyanarayana, H. No. 4-7-193 at Esamia Bazar, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 4-7-193, 194, & 195 at Esamia Bazar, Hyderabad, registered vide Document No. 5352/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Associated Builders & Real Estate Agents, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss. Umera, (Minor) Represented by father Mr. Mohammed Zabardast Khan, 5-9-160 at Public Garden Road, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

R-1 No. RAC. No. 180/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. A2 situated at Abid's Shopping Centre, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on December, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor Shop No. A-2 situated in Abid's Shopping Centre, Chiragali lane, Hyderabad, registered vide Document No. 5354/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri V. Rajeswar Rao, H. No. 8-2-350/5-A at Banjara Hills Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Damyanti Pragiji Jetania 5-9-22/42/2 at Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, 17th August 1979

Ref No. RAC. No. 181/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat 5-9-22/42/2

situated at Adarshnagar Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat bearing No. 5-9-22/42/2 at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 5378/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Nirada Rao, H. No. 8-2-350/5A Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

(2) Mrs. Usha Rao, Rep. by Sri A. G. K. Murthy,
2. Mrs. A. Shanta Devi, W/o A. G. K. Murthy, H.
No. 5-9-22/42 flat Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. RAC. No. 182/79-80.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2 situated at 5-9-22/42 Adarshnagar, Hyd. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on December, 78 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 2 in No. 5-9-22/42 at Adarshnagar, Hyderabad, registered Document No. 5566/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1979.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, 17th August 1979

Ref No. RAC. No. 183/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-2-11/1 situated at Lakdikapul, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad, on December, 78

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Habebunnisa Begum, D/o Ikram Jung Bahadur, 2, Smt. Nafeez Zuthuddin Khan, W/o Mohd. Qutbuddin, H. No. 6-2-11/1, & 6-2-9/ at Saifabad, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Siraj Fatima, W/o Sri M. Nizamuddin Khan, H. No. 32/3RT, Saidabad, Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House, No. 6-2-11/1 at Lakdikapul, Hyderabad, registered vide Document No. 3183/78 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sri Jitendar Raj, (Court receiver) H. No. 6-3-1238 at Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dr. G. Narsing Rao, H. No. 1-2-593/6 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

Ref. No. RAC. No. 184/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. Plot No. 29 situated at Somajiguda, Hyderabad, (and more fully described in the as per deed registered Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad, on December, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 29 admeasuring 950 Sq. Yds. situated in S. No. 32/1 at Raj Bhavan Road, Somajiguda, Hyderabad, registered vide Document No. 3301/78 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sri D. V. Ramakrishna. H. No. 16-11-772 at Musarambaga, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. V. S. Leela, W/o Sri K. Raghawa Rao, 3-4-460 (Upstairs) Narayanguda, Hyderabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDRABAD

Hyderabad, 17th August 1979

Ref. No. RAC. No. 185/79-80.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Sriramanagar Asifnagar, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Khairatabad on December, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot bearing No. 5 admeasuring 505 Sq. Yds. situated in Sriramanagar Co-operative Society, at Asifnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 3324/78 in the Office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sri Jitender Raj, H. No. 6-3-1238 at Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sri Ramnivas Kothari H. No. 6-3-927/A at Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 17th August 1979

Ref. No. RAC. No. 186/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 17 situated Somajiguda, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on December, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property— and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—256G1/79

THE SCHEDULE

Plot of land No. 17 admeasuring 890 Sq. Yds. situated at Somajiguda, Hyderabad, registered vide Document No. 3350/78 in the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Rafi Ahmed Farooqui, Flat No. B-43/F2 at P.S. Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sri V. Ramesh Babu, Flat No. B-43/F-5 at P.S. Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 17th August 1979

Ref. No. RAC.No. 187/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2 in situated at Block No. 43 Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad in December 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 1st floor in Block No. 43 at P.S. Nagar, Hyderabad, registered vide Document No. 3387/78 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad. (M. No. 10-3-444/128 of 1st floor).

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 17th August 1979

Ref. No. RAC. No. 188/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land is situated at Somajiguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Khairtabad in December 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Amina Begum, Hydari, 8-2-309/3, Road No. 14 Banjara Hills, Hyderabad. (Transferor)

(2) Dr. Singanamala Panduranga, H. No. 5-8-57/4 Station Road, Nampally, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 878.50 Sq. Mts. situated at Somajiguda, Hyderabad, (M. No. 6-3-903/1 at Somajiguda, Hyderabad) registered vide Doc. No. 3422/78 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 17th August 1979

Ref. No. RAC. No. 189/79-80.—Whereas, I K. K. VEER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 7 at situated at West Maredpally, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Secunderabad in December 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri T. D. Bhaskarao, 764/6 1st floor Block III, Rajajinagar, Bangalore-10.
2. Smt. T. D. Rukkammal W/o late T. J. Doraswamy, Rep. by Vendor No. 1.
3. B. Natarajan, S/o T. D. Bhaskarao.
4. B. Sreedharan, S/o T. D. Bhaskarao.

(Transferor)

- (2) Smt. R. Kasturi, W/o Sri A. P. Ramakrishna, H. No. 5194/Regimental Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land 728 Sq. Yds. plot No. 7, situated at West Maredpally, Contonment area, Secunderabad, registered vide Document No. 3021/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri G. Narayana Rao, S/o late G. Laxmaiah, Executor Estate of late Smt. P. Kamala Bai, 14-2-332/ F Syam Bagh, Hyderabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. P. S. Laxmi, W/o Dr. P. S. Krishna Murthy, H. No. 3-4-497 at Barkatpura, Hyderabad.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 17th August 1979

Ref. No. RAC. No. 190/79-80.—Whereas, I. K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-4-497 situated at Barkatpura, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-4-497 at Barkatpura, Hyderabad, ad-measuring 550 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 5494/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 17th August 1979

Ref. No. RAC. No. 191/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land 7761 Sq. Yds. situated at Bahadurpura, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli in December 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

(1) Smt. C. Bichamma, W/o C. Raghava Rao, & others, Chandrakal Village, Nagarkurnool, Mahabubnagar-Dist.

(Transferor)

(2) M/s Binjusaria Super Foods & Fertilisers Pvt. Ltd., 19-2-226 at Miralam Tank Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 7761 Sq. Yds. situated at Bhadurpura, Hyderabad, registered vide Document No. 1456/78 in the office the Sub-Registrar Doodbowli.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Qamar Zamani Begum W/o Dr. Syed Asadulla Hussaini, "Hajra Villa" H. No. 6-3-246/3 Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th August 1979

- (1) 1. V. Ramakrishna Rao, 1-267 Tarnaka, Secunderabad.
2. Viswaraj, Mahankali Street, Secunderabad.
3. N. Sreenivas, Mahankali Street, Secunderabad.
4. N. Chandrasekhar, Mahankali Street, Secunderabad.
5. Smt. A. Saraswathi, 12-10-136 Seethaphalmandi Secunderabad.
6. Smt. P. Shantamma, Qr. No. 5, Parsigutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. 192/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 241 situated at Nacharam village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agriculture land in S. No. 241 at Nacharam Village Gram panchayat, Hyderabad East Tq. measuring four Acres 27 Guntas, registered vide document No. 5652/78 at the Joint Sub Registrar's Office, Hyderabad.

K. K. VEER

Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th August 1979

RAC. Ref No. 193/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 162 situated at Lalguda village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad East on 4-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Ajit I. Patel.
2. Nitin I. Patel, and
3. Amar I. Patel, all residing at H. No. 3-6-326 Basheerbagh, Hyderabad.
(Transferors)

- (1) 1. Amruthlal Seth.
2. Prabhudas Seth.
3. Jayanthkumar Seth.
4. Atul Kumar Seth.
5-9-22/1/4, Adarshnagar, Hyderabad.
5. B. Tukaram, 6-1-279/10/1 Padmaranagar, Secunderabad.
6. P. Rama Rao, 16-2-147/F Malakpet, Hyderabad.
7. P. Narayanaswamy, 16-2-147/F Malakpet, Hyderabad.
8. Smt. B. Kamalamm, 7-1-1045 Shanker Veedhi Secunderabad.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11096 Sq. Yds. Agriculture land surrounded by compound wall in S. No. 162 at Lalguda Village, registered vide document No. 7271/78 at the office of the S.R.O. Hyderabad East.

K. K. VEER
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th August 1979

RAC. Ref. No. 194/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 162 situated at Lallaguda Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad East on 4-12-1978, for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
25—256GI/79

- (1) Ajit I. Patel, Nitin I. Patel and Amar I. Patel, all residing at H. No. 3-6-326 Basheer Bagh, Hyderabad.

(Transferors)

- (2) 1. Amruthlal Seth.
2. Prabhudas Seth.
3. Jayanathkumar Seth.
4. Atul Kumar Seth.
H. No. 5-9-22/1/4 at Adarshnagar, Hyderabad.
5. B. Tukaram, 6-1-279/10/1 P. Nagar, Secunderabad.
6. P. Rama Rao, 16-2-147/F Malakpet, Hyderabad.
7. P. Narayanaswamy 16-2-147/F Malakpet, Hyderabad.
8. Smt. B. Kamalamma, 7-1-1045 at Shanker Veedi Secunderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 6500 Sq. Yds. surrounded by compound wall in Survey No. 162 at Lallaguda, Village, Secunderabad, registered vide Document No. 7272/78 in the office of the S.R.O. Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Y. Venkataeshwar Rao, H. No. 105/B at Sreenagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Y. Nageswar Rao, H. No. 4-2-1071 at Ramkote, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 21st August 1979

Ref. No. RAC. No. 195/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ag. land No. 177/9, 177/12, 177/13, 177/18, Azziznagar, Hyderabad,

and more fully described in the Schedule annexed

hereto, has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey Nos. 177/18, 117/9, 117/13, 177/12, situated at Azziznagar, Hyderabad-West, total area 15.23 Acres, registered vide Document No. 2176/78 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) DLF UNITED LIMITED, 21-22, Narindra place
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Sapra S/o Shri Kanshi Ram Sapra
11/11, Kalkaji Extn., New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 14th September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/12-78/870.—Whereas I,
MISS ANJANI OZA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Shop No. 11 (ground floor) situated at Cinema Complex
Building, Greater Kailash-II, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
New Delhi in December 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-
teen per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer is agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11 (ground floor) measuring 244.12 Sq. Fts
situated in the Cinema Complex Building Greater Kailash-II,
New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 14-9-1979.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 14th September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/12-78/872.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 305 (3rd floor) situated at Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) DLF UNITED LIMITED 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Lt. Col. Charan Singh S/o Shri Badlu Ram and Mrs. Shakuntala W/o Lt. Col. Charan Singh 17-Church Road, Delhi Cantt.-10. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Flat No. 305 (3rd floor) Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 791.4 Sq. Fts.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 14-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Mohan Lal S/O
Shri Nanak
Vill. & P.O. Satrod Khas (Hissar)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Onkar Mal Mittal C/O
M/S Mittal Pipe Manufacturing Co.,
Delhi Road, Hissar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 7th September 1979

Ref. No. HSR/3/78-79.—Whereas, I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vill. Satrod on Hissar Delhi Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

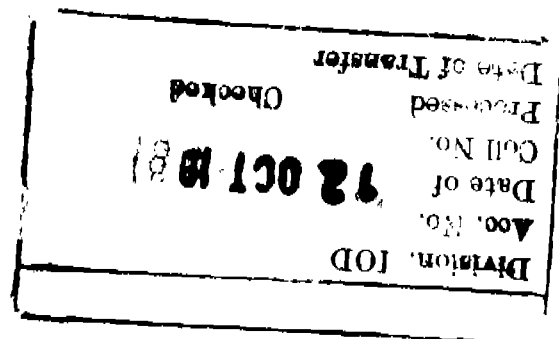
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.



THE SCHEDULE

Property being land measuring 46 kanal 2 Maus sited at Vill. Satrod Khas Khurd on Hissar-Delhi Road as mentioned more in the Sale Deed registered at No. 922 dated 1-1-1979 with the Sub-Registrar, Hissar.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chidigarh

Date : 7-9-1979
Seal :

